सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राजकीय आईटीआई में वॉक-इन प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर पेज: 3

'द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट की कामयाबी से खुश हैं पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 199 | शनिवार 24 अक्टूबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बेंगलुरु मर्डर केस : उम्रकैद काट रही शुभा की दया याचिका कैबिनेट ने की खारिज

बेंगलुरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने वर्ष 2003 के चर्चित बेंगलुरु हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रही शुभा शंकरनारायण और उसके साथी डी. अरुण वर्मा की दया याचिकाओं को सर्वसम्मति से खारिज किया गया है। यह मामला 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बी.वी. गिरीश की निर्मम हत्या से जुड़ा है, जो शुभा के मंगेतर थे। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में माना गया कि यह हत्या पूरी तरह से सुनियोजित, पूर्व-नियोजित और अत्यंत क्रूर थी। इसलिए मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत दोषियों को किसी भी तरह की राहत या दया नहीं दी जा सकती। डीके मंत्रिमंडल द्वारा खारिज की गई इन याचिकाओं को अब अंतिम फैसले के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास भेजा जाएगा। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने बताया कि गृह विभाग ने पुलिस और जेल प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट लेने के बाद ही इस विषय को कैबिनेट के समक्ष रखा था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई 2025 को अपने ऐतिहासिक फैसले में मामले के चारों दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। हालांकि, अदालत ने उन्हें संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने के लिए आठ हफ्ते की मोहलत दी थी। मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार, 1 दिसंबर 2003 को इंटेल कंपनी के इंजीनियर गिरीश और लॉ छात्रा शुभा की सगाई हुई थी। परंतु शुभा अपने साथी कानून छात्र अरुण वर्मा से प्यार करती थी और शादी नहीं करना चाहती थी। 3 दिसंबर 2003 की रात शुभा ने गिरीश को डिनर के बहाने बाहर बुलाया, जहां साजिश के तहत गिरीश की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

प्रदूषण नियमों की अनदेखी के चलते बीएमडब्ल्यू के हुए 42 बार चालान

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच, जहां नियमों को और कड़ा किया जा रहा है, वहीं कुछ वाहन चालक कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के रिकॉर्ड में ऐसी ही एक लग्जरी बीएमडब्ल्यू कार सामने आई है, जिसके नाम पर नियमों के उल्लंघन के 42 चालान दर्ज हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 24 चालान तो सिर्फ पिछले एक साल के भीतर ही हुए हैं। यह कार दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े नियमों को तोड़ने में सबसे आगे है। 2019 मॉडल की यह बीएमडब्ल्यू कार साल 2019 से अभी तक बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के ड्राइविंग करने के लिए लगातार चालान कटवा रही है।

नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने निकले 146 पुलिस राइडर्स

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड से गुरुवार को एक विशेष राष्ट्रव्यापी बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फाइट अगेंस्ट ड्रग्स (नशे से दूरी है जरूरी) थीम पर आधारित इस रैली में विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के 146 पुलिस राइडर्स शामिल हैं, जो देश में नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश फैला रहे हैं। इस रैली उद्देश्य केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और देश में राष्ट्रीय एकता व सामाजिक समरसता का संदेश देना है। यह राइडर्स दल विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए लगभग 2,500 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करेगा। इसी के साथ ही यह बाइक रैली 26 अक्टूबर 2026 को गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) पहुंचेगी। यह दल 31 अक्टूबर 2026 को देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती यानी 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह और परेड में हिस्सा लेगा।

चीन के साथ बढ़ता व्यापार घाटा देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

कांग्रेस का केंद्र सरकार पर बड़ा हमला- मेक इन इंडिया अब इम्पोर्ट फ्रॉम चाइना बना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने चीन के साथ भारत के लगातार बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार की नीतियों के कारण 'मेक इन इंडिया' अब 'इम्पोर्ट फ्रॉम चाइना' (चीन से आयात) बनकर रह गया है और रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचता व्यापार घाटा देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि वित्त वर्ष 2025-26 में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर रिकॉर्ड 112 अरब डॉलर हो गया है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 99 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि चीन से हो रहे भारी-भरकम आयात के कारण देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के प्रति सोची-समझी रियायतों के चलते सीमा पर हालात चिंताजनक हैं। उन्होंने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक के उस बयान का भी जिक्र किया जिसमें अरुणाचल प्रदेश में पीएलए (चीनी सेना) के साथ हालिया फेस-ऑफ और सुरक्षा बल के कामकाज की सराहना की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सरकार की ओर से इस पर चुप्पी साधी गई है।

जयराम रमेश के अनुसार, स्थानीय लोगों का दावा है कि लद्दाख की तर्ज पर अरुणाचल प्रदेश के कुछ गश्ती बिंदुओं (पेट्रोलिंग प्वांइट्स) तक पहुंच प्रभावित हुई है। इसके साथ ही बांध और पारिस्थितिकी का खतरा बढ़ा है। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के नाम बदलने के साथ-साथ सीमा के पास 60,000 मेगावाट क्षमता का बांध बनाया जा रहा है, जो भारत की जल और पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

गलवान और पूर्व सैन्य अधिकारियों के बयानों का जिक्र

कांग्रेस नेता ने जून 2020 की गलवान घाटी की झड़प का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के उस पुराने बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें देश की सीमा में किसी के घुसने से इनकार किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने पूर्व सेना प्रमुखों और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के पुराने बयानों और संस्मरणों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की चीन नीति पर पूर्ण पारदर्शिता न बरतने का गंभीर आरोप लगाया है।

एलएसी पर भारत-चीन जवानों में टकराव नई बात नहीं: आईटीबीपी

अलवर, एर्जेसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तल्खी एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों में सीमा के कई अलग-अलग प्वॉइंट्स पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच सीधा टकराव (फेस-ऑफ) हुआ है। और ये कोई नया नहीं है होता रहता है। कपूर के अनुसार, यह तनावपूर्ण स्थिति केवल एक जगह तक सीमित नहीं है, बल्कि कई रणनीतिक ठिकानों पर अब भी जारी है। उन्होंने 22 अक्टूबर को कहा कि अरुणाचल सीमा पर चल रहे टकरावों में आईटीबीपी के कमांडो सक्रिय रहे हैं। कपूर ने बताया कि हाल ही में गठित 'शौर्य कमांडो' ने इसमें बेहतरीन भूमिका निभाई है। उन्होंने आईटीबीपी को एक माउंटेन गुरिल्ला फोर्स के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि बल 2004 से चीन के साथ लगती सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहा है। कपूर ने जोर दिया, हमें अपने मूल काम को छोड़ने की जरूरत नहीं है। हम सेना से अलग, ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में लड़ने के लिए एक विशेष बल तैयार कर रहे हैं। जल्द ही हमारे पास शौर्य कमांडो की एक पूरी बटालियन होगी, ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात होना हमारी ताकत है। यह बयान उन्होंने राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान दिया। यह बयान अरुणाचल प्रदेश में जुलाई से हुई कई झड़पों और स्थानीय लोगों के दावों के बीच आया है कि कई जगहों पर आमना-सामना हुआ है। बताया जा रहा है कि सितंबर में एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान भी ये टकराव जारी रहे। कपूर की टिप्पणी के बाद एक सांसद ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह इन टकरावों पर चुप्पी साधे हुए है।

रेहान वाड्रा की प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाने पर शशि थरूर ने उठाए सवाल, भारत की छवि को नुकसान

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बीकानेर हाउस में रेहान वाड्रा की फोटोग्राफी प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाए जाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने इस घटना को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कलात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ा गंभीर मामला बताकर कहा कि इन घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की लोकतांत्रिक छवि धूमिल होती है। कांग्रेस नेता थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देकर घटना को कई स्तरों पर शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि 'नो आइडिया इज फाइनल' नाम की प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाने का फैसला सवाल खड़े करता हैं। उनके मुताबिक, इन तस्वीरों में इसतरह के विरोध प्रदर्शनों और घटनाओं को दिखाया था, जिनके बारे में पहले ही मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर काफी चर्चा हो चुकी है। कांग्रेस नेता थरुर ने सवाल उठाया कि किसी विरोध प्रदर्शन की तस्वीर को केवल इसलिए राजनीतिक सामग्री कैसे माना जा सकता है, क्योंकि उसमें प्रदर्शन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि तस्वीरें किसी घटना का दस्तावेजीकरण करती हैं और उन्हें अपने आप किसी राजनीतिक विचारधारा का समर्थन नहीं माना जाना चाहिए। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि बीकानेर हाउस के प्रबंधन को अपनी नीतियां निर्धारित करने का अधिकार हो सकता है, लेकिन कलात्मक अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध लगाने के फैसलों पर व्यापक चर्चा होना चाहिए है। उन्होंने टिप्पणी की कि यदि यह मामला अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के सवाल के रूप में अदालत में जाता, तब इन तस्वीरों की स्वीकार्यता पर विचार किया जा सकता था।

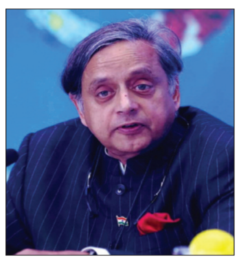

अखिलेश ने कहा- कांग्रेस से मिली सीटों पर अंतिम फैसला आजम खां करेंगे

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में रामपुर जेल में पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां से मुलाकात की। इस मुलाकात का मुख्य एजेंडा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से प्राप्त सीटों की सूची पर गहन मंथन करना था। अखिलेश यादव ने स्पष्ट किया कि प्रत्याशियों के चयन और सीटों के बंटवारे का अंतिम फैसला आजम खां की राय पर ही आधारित होगा।

एक घंटे से अधिक चली इस महत्वपूर्ण चर्चा ने एक बार फिर मोहम्मद आजम खां के पार्टी के रणनीतिक और नीतिगत फैसलों पर उनके अटूट प्रभाव को उजागर किया है, भले ही वे लंबे समय से सलाखों के पीछे हों। जेल से बाहर निकलने पर अखिलेश का यह बयान कि आजम थे, आजम हैं और आजम ही रहेंगे, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आगामी राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इसे सपा मुखिया द्वारा वेस्ट यूपी और

रुहेलखंड के सियासी समीकरणों को साधने का एक मास्टरस्ट्रोक भी कहा जा रहा है। अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में खुलकर स्वीकार किया कि इंडिया गठबंधन के तहत मिली सीटों की लंबी सूची पर आजम खां के साथ गंभीर रायशुमारी हुई है। उन्होंने कहा कि आजम खां द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों को पूरी तरह से माना जाएगा, उन पर काम किया जाएगा और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जाएगी।

यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने टिकट बंटवारे पर आजम खां से जेल में सलाह ली हो। 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भी अखिलेश ने सीतापुर जेल में आजम से मुलाकात कर टिकटों पर अंतिम मुहर लगाई थी। उस सीतापुर मॉडल का परिणाम यह रहा था कि 2022 के चुनाव परिणामों में मुरादाबाद मंडल की 27 विधानसभा सीटों में से 17 पर सपा ने परचम फहराया था। मुरादाबाद मंडल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक आंकड़ों पर नजर डालें तो आज भी वहां सपा की मजबूती के पीछे आजम खां के जनाधार का सीधा प्रभाव दिखाई देता है। पत्रकारों द्वारा रामपुर सीट से सपा के उम्मीदवार के बारे में पूछे जाने पर, अखिलेश ने अपनी चिर-परिचित मुस्कान के साथ चुटकी लेते हुए कहा, तुम्हें क्यों बताऊं? उनके इस छोटे से जवाब ने सियासी सस्पेंस को और गहरा दिया है। आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, आजम खां की यह रणनीतिक सलाह सपा के लिए कितनी फायदेमंद साबित होगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

रिजिजू ने की पुष्टि, सऊदी से सुरक्षित लौट रहे उमरा जायरीन

-भारतीय मिशन के मुताबिक यमन तट के पास 14 भारतीय भी हैं सुरक्षित

नई दिल्ली , एजेंसी। सऊदी अरब और यमन के आसपास बढ़ते तनाव के बीच वहां फंसे भारतीय उमरा जायरीनों की सुरक्षित वतन वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी है कि संकट में फंसे भारतीय उमरा जायरीन सुरक्षित भारत लौट आए हैं। सरकार की मुस्तैदी से इससे पहले भी 10,000 से अधिक जायरीन स्वदेश लौट चुके हैं, जबकि शेष बचे लोगों की मदद के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर चिंता जताते हुए बताया था कि 4,000 से अधिक उमरा जायरीन सऊदी अरब में फंसे हुए हैं। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया है कि सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध व सक्रिय है।

सहायता के लिए 24 घंटे सक्रिय हैं कंट्रोल रूम

भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए रियाद और जेद्दा में भारतीय मिशन चौबीस घंटे मुस्तैद हैं। किसी भी आपात स्थिति या सहायता के लिए निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। भारतीय दूतावास, रियाद का फोन नंबर +966-554412016, +966-542126784 है, जबकि टोल-फ्री (सऊदी अरब के भीतर से)ः 8002471234 नंबर है। इसके अलावा व्हाट्सएप (केवल मैसेज) के लिए नंबर +966-536216082 जारी किया गया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास, जेद्दा के फोन नंबर +966-12-2614093, +966-556122301 जबकि व्हाट्सएप (केवल मैसेज) के लिए +966-536209704 नंबर जारी किया गया है।

यमन तट के पास फंसे नागरिक भी सुरक्षित

इस बीच, यमन के तट के पास एक नौका से जुड़े घटनाक्रम में फंसे 14 भारतीय नागरिकों को लेकर भी राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय मिशन ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि रिपोर्टों के अनुसार सभी 14 भारतीय सुरक्षित हैं और वर्तमान में यमन के होदेइदा क्षेत्र के आसपास मौजूद हैं। मिशन उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार संपर्क में है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अरब मीडिया में हूती प्रवक्ता याह्या सरी के हवाले से दावा किया गया था कि युकर द्वीप के पास सऊदी बलों ने भारतीयों वाली नौका को निशाना बनाया है, और हूती बल उन्हें बचा रहे हैं। हालांकि, भारतीय मिशन ने अभी तक हमले के स्रोतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह साफ कर दिया है कि सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

विरोध-प्रदर्शनों पर अन्नामलाई की दो टूक, भाजपा पर भी साधा निशाना

चैन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध- प्रदर्शनों पर अपने बयानों को लेकर चल रही अटकलों पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने साफ किया है कि उनके बयानों को अभिजीत दीपके के नेतृत्व वाले सीजेपी के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, हालांकि उन्होंने लोकतंत्र में संघर्ष के अधिकार का समर्थन किया है। गुरुवार को वी द लीडर्स आंदोलन के एक कार्यक्रम में बोलते हुए अन्नामलाई ने कई मुद्दों पर बात रखी। उन्होंने कहा, हम कभी भी कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन नहीं करते। उनका एजेंडा अलग है और हमारा अलग है। हालांकि, उन्होंने इसी के साथ यह भी जोड़ा कि लोकतंत्र में हर राजनीतिक दल को संघर्ष करने का अधिकार है और किसी को भी इससे वंचित नहीं किया जा सकता।

दरअसल, दिल्ली में 10 अक्टूबर को सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई की आलोचना करने के बाद अन्नामलाई पर बीजेपी ने निशाना साधा था। इस पर पलटवार करते हुए अन्नामलाई ने जोर देकर कहा कि उन्हें देशभक्ति के मामले में किसी से भी उपदेश लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे देश के कई राज्यों में रहने और काम करने का अनुभव है। मैं भारत की एकता और संप्रभुता को समझता हूं। इसलिए मुझे देशभक्ति पर किसी के उपदेश की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि सीजेपी प्रदर्शनकारियों ने कोई गलत काम किया है, तो अधिकारियों को बदले की भावना रखने के बजाय कानून के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए। अन्नामलाई ने स्पष्ट किया, हमारा मानना है कि गिरफ्तारियां कानून और उचित प्रक्रिया के अनुसार ही होनी चाहिए। अन्नामलाई ने आगे कहा कि यदि देश की संप्रभुता को कोई खतरा है, तो उसके लिए आईबी और रॉ (आईबी और रॉ) जैसी संस्थाएं हैं, जिनका उपयोग करके दोषियों को जेल में डाला जाना चाहिए, न कि सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत बातें फैलाई जानी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के भरोसे को कमजोर करने की कोशिशों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए अन्नामलाई ने कहा, मोदी एक अच्छे पीएम हैं, वो अच्छा काम कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री का समर्थन करते हुए भी अगर उन्हें कुछ गलत लगता है, तो वे उस पर सवाल उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। उनके इन बयानों ने राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी बरामद किए, बारामूला में 2 संदिग्ध गिरफ्तार

पुंछ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान सात संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) की मैगजीन बरामद की हैं। खुफिया जानकारी के आधार पर 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान भूरे टेप से लिपटे छह कंटेनर, नीले टेप से लिपटा एक कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का स्रोत, एल्युमिनियम कंटेनर और टिफिन भी बरामद किए है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं। इसके पहले 22 अक्टूबर को बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुर्किये में बनी कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो आईईडी बरामद हुए थे।

बीजेपी का आरोप, राहुल गांधी कांग्रेस का 'फेल प्रोडक्ट

राहुल और प्रियंका को फैसलों की जानकारी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेसवार्ता में राहुल गांधी के नेतृत्व, विदेश यात्राओं और कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर सवाल उठा दिए है। उन्होंने राहुल गांधी को कांग्रेस का 'फेल प्रोडक्ट' बताकर आरोप लगाया कि पार्टी बार-बार उन्हें आगे करके अपना राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा रही है। हालांकि, ये टिप्पणियां भाजपा नेता के राजनीतिक आरोप हैं। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस की स्थिति 'जल बिन मछली' जैसी हो चुकी है। राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर निशाना साधकर उन्होंने व्यंग्य किया कि नेता प्रतिपक्ष वियतनाम में हैं और देश की राजनीति से दूर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कामकाज की तुलना राहुल गांधी के राजनीतिक रिकॉर्ड से कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, जबकि राहुल गांधी का रिकॉर्ड समस्याओं से भरा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने कांग्रेस के साथ संवैधानिक संस्थाओं की साख को भी दांव पर लगाया है। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी की शिक्षा, खेल और कारोबारी पृष्ठभूमि का उल्लेख कर कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सेंट स्टीफंस कॉलेज में राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज और निशानेबाज के रूप में प्रवेश मिलने की बात कही जाती रही, लेकिन उन्होंने इन क्षेत्रों में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं की। बीजेपी प्रवक्ता त्रिवेदी ने ब्रिटेन में राहुल गांधी के कामकाज और उनसे जुड़ी कंपनियों का जिक्र कर दावा किया कि जिन कंपनियों से वह जुड़े रहे, वे बाद में बंद हो गईं। इन टिप्पणियों के जरिए उन्होंने राहुल गांधी की व्यक्तिगत और पेशेवर उपलब्धियों पर सवाल उठा दिए। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन को लेकर भी राहुल गांधी को निशाने पर लिया।

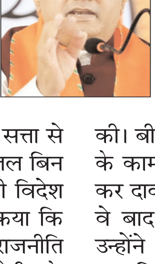

संपादकीय

पोषण के भ्रामक दावे

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रचार के खेल में फिल्मी व ग्लैमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन। शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फार्मूले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फार्मूले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फार्मूला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फीस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं।

निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि 'शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम' के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से इस प्रकरण में कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना ही चाहिए। वहीं दूसरी ओर, उनके बढ़-चढ़कर किए जाने वाले दावों की जांच विश्वसनीय सबूतों और नियमों के आधार पर ही की जानी चाहिए। हालांकि, देश के नियामकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना तार्किक आधार वाले या गुमराह करने वाले दावों को उत्पाद बनाने वाली कंपनियों द्वारा तुरंत सुधारा जाए। वहीं दूसरी ओर, नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर उचित कार्रवाई की जाए। वैसे तो हमारे देश में आमतौर पर खाद्य उत्पादों के लेबल और विज्ञापन ही अक्सर उपभोक्ताओं के लिए जानकारी के मुख्य स्रोत होते हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों व अशिक्षित लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। इसलिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को अपनी जांच-पड़ताल सख्ती से करनी चाहिए। निश्चित रूप से प्रवर्तन एजेंसियों के नतीजे सामने आने पर सार्वजनिक किए जाने चाहिए। साथ ही, भविष्य में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माता किसी उत्पाद को बाजार में उतारने से पहले अपने दावों को सच्चाई की कसौटी पर सही साबित करे। निश्चित रूप से पोषण संबंधी मार्केटिंग का मकसद सही जानकारी देना होना चाहिए, न कि लोगों को गुमराह करना।

सूक्ति

जो अप्राप्त वस्तु के लिए चिंता नहीं करता और प्राप्त वस्तु के लिए सम रहता है, वह संतुष्ट कहा जा सकता है।
- महोपनिषद

जल से शरीर शुद्ध होता है, मन से सत्य शुद्ध होता है, विद्या और तप से भूतात्मा तथा ज्ञान से बुद्धि शुद्ध होती है।
- मनुस्मृति

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

81 साल बाद भी अधूरी है संयुक्त राष्ट्र की शांति-प्रतिज्ञा

योगेश कुमार गोयल

बदलती दुनिया में अप्रासंगिक होता संयुक्त राष्ट्र...

दुनिया के 50 देशों ने वर्ष 1945 में मिलकर संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर हस्ताक्षर कर संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन किया था, जिसके बाद से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। दरअसल द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को अधिक समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए एक नए संगठन की स्थापना का विचार उभरा था, जो पांच राष्ट्रमंडल सदस्यों तथा आठ यूरोपीय निर्वासित सरकारों द्वारा 12 जून 1941 को लंदन में हस्ताक्षरित अंतर-मैत्री उद्घोषणा में पहली बार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त हुआ था। उस उद्घोषणा के अंतर्गत एक स्वतंत्र विश्व के निर्माण हेतु कार्य करने का आव्हान किया गया था, जिसमें लोग शांति और सुरक्षा के साथ भयमुक्त वातावरण में रह सकें तथा निजीकरण एवं आर्थिक सहयोग के मार्ग की खोज कर सकें। उसके बाद 1944 में सोवियत संघ, अमेरिका, चीन तथा ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा वाशिंगटन के डम्बर्टन ओक्स एस्टेट में कई बैठकों के आयोजन के बाद एक शांतिरक्षक वैश्विक संस्था बनाने की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके आधार पर 50 देशों के प्रतिनिधियों के बीच 1945 में बातचीत हुई और 26 जून 1945 को सभी 50 देशों द्वारा चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद यह चार्टर 24 अक्तूबर 1945 से प्रभावी हो गया। तभी से प्रतिवर्ष 24 अक्तूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' मनाया जाने लगा। अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से स्थापित करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ को इतनी शक्तियां प्रदान की गई कि वह अपने सदस्य देशों की सेनाओं को विश्व शांति के लिए कहीं भी तैनात कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के बाद से ही दुनिया के अनेक देश इसके साथ जुड़ते गए और 50 सदस्यों के साथ शुरू हुए इस वैश्विक संघ के सदस्य देशों की संख्या अब 193 हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश थे अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा यूनाइटेड किंगडम, जिनकी द्वितीय विश्वयुद्ध में अहम भूमिका थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्यों में युद्ध रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, सभी देशों के बीच मित्रवत संबंध कायम करना, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को निभाने की प्रक्रिया जुटाना, सामाजिक एवं आर्थिक विकास, निर्धन तथा भूखे लोगों की सहायता करना, उनका जीवन स्तर सुधारना, बीमारियों से लड़ना इत्यादि शामिल हैं और इन उद्देश्यों को निभाने के लिए 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा प्रमाणित की गई। हालांकि विड़म्बना है कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के इन 81 वर्षों में यह वैश्विक संस्था अब धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खोने लगी है। दरअसल बीते 81 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अर्थव्यवस्था, हथियार, मीडिया, समाज, मुद्रा तथा समाज से संबंधित तमाम नीतियां इसके पांच स्थायी सदस्य देशों ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, रूस तथा फ्रांस के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही निर्धारित की जाती रही हैं, जिस कारण ऐसी नीतियों का खामियाजा भारत के अलावा जापान, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, इजरायल, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे कई अन्य देशों को भुगतना पड़ा है, जो संयुक्त राष्ट्र महासभा की स्थायी सदस्यता के लिए तमाम मानदंडों को पूरा करने के बाद भी दशकों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रयासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के आठ दशकों में विश्व के सामरिक और आर्थिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने और तमाम वैश्विक समीकरण पूर्ण रूप से बदल जाने के बावजूद वीटो अधिकार वाले पांचों स्थायी सदस्यों में से कोई भी अपने वीटो अधिकार और स्थायी सीट को छोड़ने को तैयार नहीं है। हालांकि स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति है लेकिन चीन को खासकर एशिया से वीटो अधिकार वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है, जहां स्थायी सदस्यता के दोनों दावेदारों (भारत और जापान) पर वह विभिन्न कारणों से संदेह करता है। भारत ने जिस चीन को मान्यता देने में पहल की थी और सुरक्षा परिषद में उसकी स्थायी सीट को सिद्धांत के तौर पर लेने से मना कर दिया था, आज वही चीन भारत की स्थायी सदस्यता के मार्ग में रोड़े अटका रहा है। भारत चीन के वीटो पावर के कारण ही सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव बाध्यकारी प्रकृति के नहीं होते। आश्चर्य की बात है कि महासभा में 193 सदस्य देशों द्वारा पारित किए जाने वाले प्रस्ताव भी सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों की सहमति पर ही निर्भर करते हैं। इसीलिए अनेक देशों द्वारा इसमें सुधार किए जाने की मांग बीते कई वर्षों से निरंतर की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी की वकालत करते हुए कह चुके हैं कि नई ताकतों को केन्द्रीय भूमिका में लाए बिना दुनिया की यह सबसे बड़ी पंचायत स्वयं से की जाने वाली अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाएगी। दुनिया के कई देश बार-बार कहते रहे हैं कि संयुक्त राष्ट्र का ढ़ांचा अब पुराना पड़ चुका है और इसकी स्थापना के समय जो परिस्थितियां थी, वे अब बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए यदि यह वैश्विक संस्था अपने भीतर समयानुकूल सुधार नहीं लाती है तो कालांतर में यह महत्वहीन होती चली जाएगी। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या इजरायल-फिलस्तीन अथवा अमेरिका-ईरान युद्ध, इन संघर्षों में दोनों ही पक्षों के हजारों बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, हजारों परिवार उजड़ चुके हैं, लाखों की आबादी पलायन की त्रासदी से जूझ रही है, शहर के शहर मलबे में तब्दील हो रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ इन संघर्षों को रोकने के लिए कुछ नहीं कर सका है।

जानलेवा होती हवा: सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

ललित गर्ग

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है।

यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा। प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे। पर्यावरण संबंधी नियमों के उल्लंघन की सूचना संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना और स्थानीय स्तर पर स्वच्छता एवं हरित क्षेत्र बढ़ाने के प्रयासों में भाग लेना भी आवश्यक है। मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को जनजागरूकता अभियान चलाने चाहिए, ताकि स्वच्छ हवा का महत्व केवल प्रदूषण के चरम पर ही याद न आए। साथ ही, वायु गुणवत्ता के आंकड़े पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किए जाएं और नागरिकों को प्रदूषण के स्तर के अनुरूप स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी जाए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकारें, उद्योग, किसान और नागरिक अपनी-अपनी जिम्मेदारियों से पीछे न हटें। चीन के बीजिंग जैसे शहरों में प्रदूषण घटाने के अनुभव यह बताते हैं कि निरंतर नीतिगत प्रयास, स्वच्छ परिवहन, औद्योगिक नियंत्रण और प्रभावी निगरानी से उल्लेखनीय सुधार संभव है। भारत को भी अपनी परिस्थितियों के अनुरूप ऐसे उपायों को दृढ़ता से लागू करना होगा। हर साल सर्दियों में प्रदूषण से जूझना और फिर मौसम बदलने पर समस्या को भूल जाना किसी भी संवेदनशील समाज की नियति नहीं हो सकती। स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं, जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए प्रदूषण का मुकाबला संकट गहराने के बाद नहीं, उससे पहले करना होगा। सरकार की सक्रियता, प्रशासन की जवाबदेही और जनता की जागरूकता ही वह त्रिकोण है, जिसके आधार पर हम दमघोंटू हवा से मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

दिल्ली में बैठे बैठे मोदी ने इराक़ में कर दिया खेल, भारत के पास अब तेल ही तेल

दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर-शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है।

इराक: भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक बड़ा स्तंभ

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इराक ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियां इराक से नियमित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं।

अक्टूबर 2026 की खरीद- क्यों चर्चा में आया इराक का तेल?

इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य-पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है। इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं।

वैश्विक बाजार पर क्या पड़ता है इसका असर?

देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियां रूस के बजाय इराक या दूसरे मध्य-पूर्वी उत्पादकों से अधिक तेल खरीदती हैं, तो अलग-अलग तेल ग्रेड की मांग, व्यापारिक प्रवाह और क्षेत्रीय मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। सितंबर 2026 में मध्य-पूर्व से भारत का कुल तेल आयात बढ़कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया। यह भारत के कुल तेल आयात का लगभग 54 प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि मध्य-पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य-लाभ ने इस बदलाव में भूमिका निभाई।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिर जाएंगी। वैश्विक कीमतों पर ओपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है।

यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच-मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियों का खर्च घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करों, रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है।

दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है भारत की सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियां कई बाजारों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है।

इसके अलावा, इराक से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत के हितों को सर्वोपरि रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा रणनीति का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। दुनिया भर की सरकारें तेल की बढ़ती कीमतों और उसके आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच पेट्रोल-डीजल की घरेलू कीमतों में लगभग स्थिरता बनाए रखकर आम जनता को बड़ी राहत देने की कोशिश की है। रूस हो, इराक हो या कोई दूसरा तेल उत्पादक देश, भारत का जोर इस बात पर रहा है कि तेल जहां से भी मिले, उसकी खरीद देश के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए। यही मोदी सरकार की रणनीति की खासियत है कि वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बेहतर विकल्प तलाशना और अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव को सीधे आम आदमी की जेब पर हावी न होने देना। जब दुनिया के कई देश महंगे तेल की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब भारत में कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखना मोदी सरकार की ऊर्जा नीति की एक अहम उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सकता है।

हालांकि इराक से तेल खरीदने में जोखिम भी हैं। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और आपूर्ति में संभावित बाधाएं भारत के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। इसलिए सस्ता तेल तभी वास्तविक रणनीतिक लाभ है, जब उसकी आपूर्ति भरोसेमंद और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो।

बहरहाल, दुनिया भारत की रूस से तेल खरीद पर नजर रखे या वेनेजुएला से संभावित खरीद पर बहस करे, भारत की ऊर्जा नीति का मूल्यांकन व्यापक तस्वीर के आधार पर होना चाहिए। इराक से 4.711 करोड़ टन वार्षिक तेल आपूर्ति और सितंबर 2026 में वहां से आयात में आई तेज बढ़ोतरी यह दिखाती है कि मध्य-पूर्व भारत की ऊर्जा सुरक्षा में कितनी अहम भूमिका निभाता है। यदि मोदी सरकार और भारतीय तेल कंपनियां प्रतिस्पर्धी कीमतों, सुरक्षित आपूर्ति और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को एक साथ साध पाती हैं, तो यह व्यावहारिक कूटनीति की बड़ी सफलता होगी।

राजकीय आईटीआई में वॉक-इन प्रवेश की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्थापित समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में अगस्त-2026 से प्रारम्भ होने वाले प्रशिक्षण सत्र हेतु निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया 2026 के अंतर्गत एससीवीटी व्यवसायों में वॉक-इन सिद्धान्त के अनुसार प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है। परिषद की आधिकारिक वेबसाइट www.scvtup.in पर पंजीकृत एवं नवीन ऑनलाइन आवेदन करने वाले ऐसे समस्त गैर-

चयनित अभ्यर्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे वेबसाइट पर पंजीकरण आवेदन प्राप्त कर उसका प्रिंटआउट निकालें तथा समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित जनपद के किसी भी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अवशेष रिक्त सीटों पर प्रवेश लें। प्रवेश हेतु सीटें सीमित हैं। प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर पूर्ण किए जाएंगे। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि से पूर्व ही संबंधित संस्थान में पहुंचकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर लें। उल्लेखनीय है कि समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अवकाश के दिनों में भी यथावत खुले रहेंगे, ताकि अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो।

हसनपुर पुलिस और पशु चोरों के बीच मुठभेड़, एक बदमाश घायल

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे थे, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली, दो गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना हसनपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुठभेड़ में एक घायल शातिर पशु चोर सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। कब्जे से चोरी की दो भैंस, एक कटिया, दो अवैध तमंचे, कारतूस और पिकअप गाड़ी बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार 22 अक्टूबर की रात्रि में थाना हसनपुर पुलिस द्वारा ग्राम कालाखेड़ा नहर के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया तो उसमें सवार इरशाद पुत्र दिलशाद एवं सन्नी पुत्र मदनपाल निवासी ग्राम चमरौआ, थाना मूंढापांडे, जनपद मुरादाबाद ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। फायरिंग

के दौरान एक गोली प्रभारी निरीक्षक की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त इरशाद के बाएं पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरा अभियुक्त सन्नी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 02 भैंस, 01 कटिया, 02 अवैध तमंचे .315 बोर, 02 खोखा व 02 जिंदा कारतूस तथा एक बिना नंबर की पिकअप बरामद की है, जिसमें UP20T0048 एवं UP21N4668 दो अलग-अलग नंबर प्लेट लगी मिलीं। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने अपने साथी भूरा उर्फ गंजा निवासी भैंसिया कटघर, यूसुफ और समीर निवासी मंसूरपुर रामपुर के साथ मिलकर ग्राम ताहरपुर एवं मनौटा से भैंस चोरी की थी। चोरी की भैंसों को बेचने के लिए संभल ले जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त इरशाद शातिर किस्म का पशु चोर है, जिसके विरुद्ध बिजनौर, बुलंदशहर, मुरादाबाद सहित विभिन्न जनपदों में चोरी, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट के 24 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस संबंध में थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 626/2026 धारा 109(1)/318(4) BNS व 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सरोहा, वरि0उ0नि0 अमित कुमार, उ0नि0 पवन कुमार सहित हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार, पवन राणा, रोहित कुमार और कांस्टेबल हैदर अली, रवि कुमार, ललित कुमार शामिल रहे।

डीएम एवं एसपी ने पीईटी-2026 के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया स्थलीय निरीक्षण, तैयारियों का लिया जायजा

नकलविहीन, निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश; सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और अभ्यर्थियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में आगामी 25 और 30 अक्टूबर एवं 01 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाली प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ज्ञान भारती इंटर कॉलेज, शिव इंटर कॉलेज गजरौला, राजकीय इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज मंडी धनौरा तथा राम किसान इंटर कॉलेज, बादशाहपुर, नौगावां सादात में परीक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, स्ट्रांग रूम, कंट्रोल रूम, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने संबंधित अधिकारियों एवं केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह क्रियाशील रहें तथा कंट्रोल रूम के माध्यम से सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखी जाए और अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहे। परीक्षा से संबंधित सामग्री एवं अभिलेखों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, जनरेटर बैकअप तथा अभ्यर्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा देने आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। प्रवेश एवं निकास की व्यवस्था सुव्यवस्थित रखी जाए, ताकि परीक्षा के दौरान अनावश्यक भीड़ अथवा अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि पीईटी-2026 एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। इसका आयोजन पूर्ण निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शुचितापूर्ण वातावरण में कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा परीक्षा की गरिमा और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण एवं परीक्षा केंद्रों के आसपास सतर्क निगरानी रखी जाएगी। अभ्यर्थियों की जांच के लिए पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमें तैनात की जाएंगी, ताकि सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ अभ्यर्थियों की सुविधा एवं गरिमा का भी ध्यान रखा जा सके।निरीक्षण के दौरान एसडीएम शैलेन्द्र दुबे, संबंधित परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्य, केंद्र व्यवस्थापक एवं अन्य संबंधित अधिकारी तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे।

दलहन एवं तिलहन की मिनीकिट निःशुल्क प्राप्त करें किसान, गेहूं का बीज भी अनुदान पर उपलब्ध

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने जनपद के किसानों को अवगत कराया कि जिन किसान भाइयों ने दलहन की मिनीकिट (मटर, मसूर एवं चना) के लिए बुकिंग कराई है, वे ई-लॉटरी में चयनित होने के बाद संबंधित विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार से मिनीकिट प्राप्त कर सकते हैं। सरसों की मिनीकिट की बुकिंग कराने वाले किसान भी राजकीय कृषि बीज भंडार से मिनीकिट प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जनपद के किसानों के लिए

गेहूं का बीज भी अनुदान पर उपलब्ध है। किसान भाई बुकिंग कराने के बाद राजकीय कृषि बीज भंडार से गेहूं का बीज प्राप्त कर सकते हैं। बीज प्राप्त करने के लिए किसान का पंजीकरण होना अनिवार्य है। किसान राजकीय कृषि बीज भंडार पर पीओएस मशीन के माध्यम से बीज प्राप्त करें। बीज प्राप्त करते ही अनुदान की सुविधा उपलब्ध होगी, अर्थात किसानों को स्रोत पर ही अनुदान (एट सोर्स सब्सिडी) प्रदान किया जाएगा। किसान भाई दलहन एवं तिलहन की मिनीकिट निःशुल्क प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बुकिंग कराएं तथा बुकिंग के उपरांत संबंधित राजकीय कृषि बीज भंडार से संपर्क करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी से वार्ता कर सकते हैं।

हसनपुर गंगा एक्सप्रेसवे पर टायर बदल रहे चालक को कैंटर ने रौंदा, मौत

कैंटर के पहिए में फंसा युवक का शव करीब 1 किमी तक घसीटा,शव के हुए कई टुकड़े

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार की तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें एक कैंटर ने एक्सप्रेस वे पर वाहन का टायर बदल रहे चालक को बुरी तरह से रौंद दिया। हादसा इतना भयानक था कि टक्कर लगते ही युवक कैंटर के पहिए में फंस गया और कैंटर उसे करीब 1 किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गया जिससे युवक के शव के टुकड़े हो गए। बताया जा रहा है कि मृतक युवक मछली लेने के लिए दिल्ली जा रहा था। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बता दें कि हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे पिकअप वाहन का टायर बदल रहे चालक को तेज रफ्तार कैंटर ने रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था की चालक ट्रक के पहिए में फंसकर करीब एक किमी तक घसीटता चला

गया। जिससे उसके शव के कई टुकड़े हो गए।मौजूद राहगीरों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। करीब 6 बजे मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के टुकड़ों को पॉलीथिन बैग में भरकर थाने ले आई। जहां पंचनामे के बाद उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। वहीं कैंटर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस कैंटर को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।आरोपी चालक की तलाश जारी है। पिकअप चालक दिल्ली से मछली लेने जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ।हसनपुर नगर के मोहल्ला कुरैशियान निवासी अनस पुत्र असगर (25) शुक्रवार की सुबह गंगा एक्सप्रेसवे से पिकअप वाहन लेकर मछली व्यापारियों के साथ दिल्ली के गाजीपुर से मछली लेने जा रहा था। गांव पिपलौती के समीप पहुंचने पर वाहन के टायर में पंचर हो गया। अनस सड़क किनारे वाहन का टायर बदलने लगा।इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रहे अनियंत्रित कैंटर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कैंटर अनस को करीब एक किलोमीटर तक घसीटता ले गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। अनस की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजन शव लेकर हसनपुर कोतवाली पहुंच गए, जहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताया जाता है कि अनस मिलनसार और खुशमिजाज स्वभाव का युवक था। मृतक अविवाहित था और पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था। उसकी मौत से मां मैसर जहां समेत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। उसकी अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस कैंटर को कब्जे में लेकर फरार कैंटर चालक के संबंध में जानकारी जुटा रही है। हसनपुर कोतवाली प्रभारी सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

अमरोहा में यातायात पुलिस का सघन अभियान, 372 वाहनों के चालान

अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक, अमरोहा के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक यातायात द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत जनपद में व्यापक प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान मिशन शक्ति के तहत एनसीसी की छात्रा कैडेट्स एवं बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण, सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही आमजन को सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन हेतु प्रेरित किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट 91, बिना सीट बेल्ट 05, रॉन्ग साइड 03, नो पार्किंग 24, मोबाइल फोन का प्रयोग 04, फिटनेस संबंधी 13, नंबर प्लेट संबंधी 09, ओवरस्पीडिंग पर 168, बिना बीमा के 26 तथा अन्य धाराओं में 29 सहित कुल 372 ई-चालान किए गए, जिन पर कुल 7,72,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अमरोहा यातायात पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें।

जनपद अमरोहा में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ शिक्षक एमएलसी चुनाव का मतदान

5,814 पंजीकृत मतदाताओं में से 5,458 ने किया मताधिकार का प्रयोग, 93.88 प्रतिशत हुआ मतदान

डीएम-एसपी दिनभर भ्रमणशील रहकर परखते रहे व्यवस्थाएं, सभी मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जनपद अमरोहा में शुक्रवार को मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ तथा पुलिस अधीक्षक श्री लखन सिंह यादव दिनभर भ्रमणशील रहकर मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। दोनों अधिकारियों ने जनपद के सभी सात मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर मतदान प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में शिक्षक निर्वाचन के लिए कुल 5,814 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 3,488 पुरुष एवं 2,326 महिला मतदाता शामिल थे। मतदान के दौरान कुल 5,458 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें 3,329 पुरुष एवं 2,129 महिला मतदाता शामिल रहे। इस प्रकार जनपद में कुल 93.88 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों एवं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर सहित कुल 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। मतदान के लिए जनपद में सात मतदान केंद्र निर्धारित किए गए थे, जिनमें क्षेत्र पंचायत कार्यालय अमरोहा, नगर पंचायत कार्यालय नौगावां सादात, क्षेत्र पंचायत कार्यालय जोया, क्षेत्र पंचायत कार्यालय हसनपुर, क्षेत्र पंचायत कार्यालय गंगेश्वरी, क्षेत्र पंचायत कार्यालय धनौरा तथा क्षेत्र पंचायत कार्यालय गजरौला शामिल रहे। मतदान निर्धारित समयानुसार प्रातः 8:00 बजे प्रारंभ हुआ। सायं 4:00 बजे तक मतदान केंद्रों के अंदर पहुंचने वाले मतदाताओं को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर दिया गया। ऐसे मतदाताओं के मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदान संपन्न हुआ। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने मतदान केंद्रों का भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया, निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं एवं मतदान कार्मिकों की तैनाती का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ करने के लिए कहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक दिनभर भ्रमणशील रहकर मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करते रहे। दोनों अधिकारियों ने निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं की निगरानी की।

तिगरी ग्राम में गंगा घाट पर रिवर रैंचिंग कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- ग्राम तिगरी के गंगा नदी घाट पर मत्स्य विभाग द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से रिवर रैंचिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय मेजर कार्प मछलियों का गंगा नदी में संरक्षण एवं संवर्धन करना था। इस मौके पर गंगा नदी में एक लाख भारतीय मेजर कार्प की मत्स्य अंगुलिकाएं प्रवाहित की गईं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि एवं गजरौला ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि जैव विविधता एवं जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए विभाग द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। भारतीय मेजर कार्प मछलियों के संवर्धन से नदी की जैव संपदा मजबूत होगी। ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी ने उपस्थित मत्स्यपालकों एवं जनमानस से अपील की कि गंगा नदी को प्रदूषण मुक्त रखें तथा उसकी पवित्रता एवं अविरलता बनाए रखने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि गंगा की स्वच्छता हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में नमामि गंगे के जिला समन्वयक सचिन कुमार, ग्राम प्रधान तिगरी, क्षेत्र के सम्मानित मत्स्य पालक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कौराल न्याय पंचायत में मत्स्य पालन एवं बहुउद्देशीय समिति के गठन हेतु दिनांक 25.10.2026 को ग्राम चमरौवा न्याय पंचायत कौराल विकास खण्ड अमरोहा में प्रातः 11:00 बजे पंचायत घर में बैठक आयोजित की जायेगी।

झटका मशीन के करंट और घटिया मच्छर दवा के खिलाफ उठाई आवाज

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को गौ सेवा संस्थान बहजोई और समाज हित संरक्षण समिति संभल के पदाधिकारियों ने गोलागंज में पूर्व विधायक के नाती सोनेन्द्र यादव सोनू के आवास पर प्रेस वार्ता कर झटका मशीन के तेज करंट, खेतों में तारबंदी में दौड़ रहे बिजली करंट और नगर पालिका की घटिया मच्छर दवा के खिलाफ आवाज उठाई। समाज हित संरक्षण समिति के नगर अध्यक्ष एवं गौ सेवा संस्थान के सक्रिय सदस्य विकास वार्ष्णेय ने बताया कि झटका मशीन और खेतों में अवैध रूप से दौड़ाए जा रहे बिजली करंट से किसानों, पशुओं और आम लोगों की

जान को खतरा बना हुआ है। इस संबंध में 25 फरवरी को जागरूकता बैठक करने के बाद 30 मई को जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन दिया गया। इसके बाद 27 जून को जिलाधिकारी संभल और बिजली विभाग चंदौसी को रजिस्ट्री से शिकायत भेजी गई। चार जुलाई को एसडीएम अवधेश कुमार और एडीएम सत्यप्रिय सिंह को भी ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से समस्या बनी हुई है। विकास वार्ष्णेय ने बताया कि अब 16 अक्टूबर को आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत सूचना मांगी गई है, जिसके जवाब का इंतजार है। उन्होंने नगर में बढ़ते मच्छरों और उनसे होने वाली बीमारियों का मुद्दा भी उठाया। बताया कि 15 अक्टूबर को सीएमओ तरुण पाठक से मुलाकात कर मच्छरों की समस्या दूर करने और अस्पताल में पुरुषों व महिलाओं के लिए अलग-अलग पर्चा खिड़कियां शुरू कराने की मांग की गई। इस दौरान महंत भगवान दास शर्मा, आदित्य यादव, राम शंखधार, आकाश गुप्ता बजाज, धैर्य वार्ष्णेय बंशी, विनोद साथी और रिंकू दिवाकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा ने किया गौ-सेवा का आयोजन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद में भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा चंदौसी के तत्वावधान में सेवा-प्रकल्प के अंतर्गत गौ-सेवा का पुनीत आयोजन किया गया। इस दौरान गौमाताओं को हरा चारा, चोकर, गुड़, विभिन्न प्रकार की सब्जियां एवं फल अर्पित कर श्रद्धा और समर्पण भाव से सेवा की गई। शाखा अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद के मूल्यों को जीवन में उतारने का सर्वोत्तम माध्यम सेवा है। सेवा, सहयोग, संस्कार और समर्पण जैसे आदर्शों पर आधारित कार्य समाज में संवेदनशीलता जागृत करते हैं और भारतीय संस्कृति की जड़ों को मजबूत बनाते हैं। परिषद का उद्देश्य सेवा के माध्यम से समाज को जोड़ना और मानवीय मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ-सेवा को पुण्य, आत्मिक शांति और मोक्ष प्राप्ति का पावन मार्ग माना गया है। गौमाता की निःस्वार्थ सेवा से जीवन में सुख, संतोष और करुणा का भाव विकसित होता है। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि मूक प्राणियों के प्रति संवेदना, कर्तव्यनिष्ठा और सनातन संस्कारों की सजीव अभिव्यक्ति भी है। प्राणिमात्र में ईश्वर का दर्शन कर उनकी सेवा करना भारतीय संस्कृति की महानता है। कार्यक्रम में सेवा संयोजक पुनीत खुराना, संपर्क संयोजक गीरेंद्र अग्रवाल, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ संयोजिका अमिता सिंह, शाखा संयोजक अभिषेक गुप्ता और मुकेश गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गौ-सेवा में सहभागिता कर सेवा, सहयोग और समर्पण का संदेश दिया।

बेटी के साथ अश्लील हरकत का आरोप, पत्नी को धमकाने वाला गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना हयातनगर पुलिस ने नाबालिग पुत्री के साथ अश्लील हरकत करने, विरोध करने पर पत्नी के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गवां रोड पर कोटला जाने वाले रास्ते से पकड़ा। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर को थाना हयातनगर में एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया

था कि उसके पति ने अपनी पुत्री के साथ अश्लील हरकत की। महिला ने जब इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। शुक्रवार को थाना हयातनगर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त फुरकान पुत्र सत्तार उर्फ मुन्ना, उम्र करीब 45 वर्ष, को गवां रोड पर कोटला जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पुलिस का जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन की ओर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत शुक्रवार को जनपद सम्भल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में मिशन शक्ति केंद्रों पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी तथा महिलाओं की समस्याएं सुनकर उनके निस्तारण के संबंध में

जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहीं, मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला सुरक्षा के उपायों और पुलिस विभाग की हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी पंपलेट वितरित कर दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल और पैनिक बटन के उपयोग की जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। पुलिस विभाग का उद्देश्य मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, सुरक्षा का भरोसा दिलाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।

आजीविका सखियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन,खंड विकास अधिकारी को सौपा

महंगाई के दौर में कम मानदेय से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल, आर्थिक स्थिति सुधारने की लगाई गुहार

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश की आजीविका सखियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजकर अपना मानदेय बढ़ाने की मांग उठाई है। ज्ञापन में आजीविका सखियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने तथा ग्रामीण परिवारों की आजीविका बेहतर बनाने में वे पूरी मेहनत और ईमानदारी से कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय काफी कम है। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में आजीविका सखियों ने बताया कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं को ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचाने और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके कार्यों से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। इसके बावजूद वर्तमान में मिलने वाले कम मानदेय के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ज्ञापन में कहा गया कि लगातार बढ़ती महंगाई के कारण कम मानदेय में परिवार का खर्च चलाना बेहद कठिन हो गया है। आजीविका सखियों ने सरकार से अनुरोध किया कि उनकी मेहनत, जिम्मेदारियों और योगदान को ध्यान में रखते हुए मानदेय में उचित वृद्धि की जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें और अपने परिवार का पालन-पोषण सम्मानपूर्वक कर सकें।आजीविका सखियों ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री उनकी समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए मानदेय बढ़ाने के संबंध में उचित निर्णय लेंगे। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाली आजीविका सखियां ज्ञापन के साथ संलग्न हस्तलिखित सूची में दर्ज नामों में यशोदा, सुभाना, अनीता सिंह, मीनाक्षी देवी, पूर्णिमा देवी, रानी देवी, उपासना, आराधना, ममता, चांदनी, किरन, निशा, मोनिका पाल, अंकिता देवी, कुमेश कुमारी, मधुरानी, सोना देवी, रिंकी देवी, अर्चना, मौनी, पूजा, आशा, रैना, मोनिका, स्वीटी, गरिमा, स्वाति, श्वेता, गीता, रति, मीनाक्षी, शीतल, अलका, मुन्नी, गायत्री, शिवानी, कुसुम, सुधा, बीना, राखी, रेखा, अनुपमा, रिंकी देवी, ममता देवी, रुखी देवी, अर्चना कुमारी और आशा रानी के नाम शामिल हैं।

शिक्षक निर्वाचन को लेकर डीएम और एसपी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- बरेली-मुरादाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत शुक्रवार को हो रहे मतदान के दौरान जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सबसे पहले मतदेय स्थल संख्या

101, विकासखंड कार्यालय पवांसा के कक्ष संख्या-1 का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने पीठासीन अधिकारी से मतदान प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही निर्वाचन डायरी के रखरखाव और उसे निर्धारित प्रारूप में भरने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मतदान करने पहुंचे मतदाताओं से भी मतदान स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदेय स्थल संख्या 100, तहसील कार्यालय सम्भल के कक्ष संख्या-1 का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी

सरकारी वेबसाइट पर ग्राम सचिव की आईडी हैक कर जारी किए फर्जी सर्टिफिकेट

अमरोहा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सरकारी वेबसाइट हैक कर ग्राम सचिव की आईडी से फर्जी सर्टिफिकेट बनाने का मामला सामने आया है इस बात का खुलासा उस समय हुआ जब स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आईडी निष्क्रिय करने का कार्य किया जा रहा था।इस मामले में हैकर ने सरकारी वेबसाइट को हैक कर 1100 से अधिक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बना डाले। बता दें कि मंडी धनौरा में 5 अक्टूबर को इस साइबर हमले का पता चला था, जब स्वास्थ्य विभाग

ग्राम पंचायतों की आईडी निष्क्रिय कर रहा था। राजीव कुमार के पास मुसल्लेपुर, मोहम्मद पट्टी, सैदपुर और बाखरपुर ग्राम पंचायतों का प्रभार है। बताया जा रहा है कि इस आईडी से 1100 से ज्यादा जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। अब जांच में सामने आया है कि वेबसाइट में सेंध लगाकर यह घोटाला किया गया है।अमरोहा में इससे पहले जोया ब्लॉक की तोफापुर ग्राम पंचायत की आईडी हैक कर 498 फर्जी प्रमाण पत्र बनाए जा चुके हैं।

ग्राम सचिव अमरजीत सिंह की आईडी से 6-7 अक्टूबर को 17 राज्यों के लिए ये सर्टिफिकेट बने थे।एडीओ पंचायत योगेंद्र सिंह ने बताया कि मुसल्लेपुर मामले में एफआईआर होगी। सीएमओ डॉ. रमाकांत सागर ने बताया कि रिपोर्ट शासन को भेजी गई है और जिले की सभी 576 ग्राम पंचायतों, 9 निकायों व स्वास्थ्य केंद्रों की आईडी निष्क्रिय कर दी गई हैं।

धनौरा क्षेत्र में ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला, सफेदपोशधारी व्यक्ति पर मकान निर्माण का आरोप

गांव निवासी युवक ने धनौरा एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, शिकायत कर निष्पक्ष जांच और निर्माण रोकने की मांग की

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के गांव में ग्राम समाज की बंजर पड़ी हुई जमीन पर एक सफेद पोश धारी युवक द्वारा अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। बताया गया है कि राजनीतिक युवक द्वारा ग्राम समाज की जमीन पर मकान निर्माण कार्य किया जा रहा है।इस मामले में गांव के ही रहने वाले एक युवक ने धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे को ज्ञापन सौंपते हुए शिकायत की है और इस मामले में निष्पक्ष जांच करते हुए निर्माण

कार्य रोकने की मांग की है। बता दें कि इस मामले में जानकारी देते हुए गांव निवासी राहुल कुमार ने बताया कि राजस्व रिकॉर्ड में पालनपुर के प्लॉट नंबर 153 (लगभग 0.4410 हेक्टेयर) को ग्राम समाज की बंजर भूमि के रूप में दर्ज किया गया है। इस प्लॉट के उत्तर दिशा में एक मंदिर भी बना है। शिकायतकर्ता राहुल का आरोप है कि गांव के ही प्लॉट नंबर 39 के एक व्यक्ति ने इस बंजर भूमि पर जबरन कब्जा कर अवैध मकान बनाना शुरू कर दिया है। राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि कब्जा करने वाला व्यक्ति राजनीतिक पहुंच वाला है और अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों में इस अवैध कब्जे को लेकर नाराजगी है।

हुसैनगंज में झाड़ियों में मिले शव का खुलासा, प्रेम-प्रसंग के विवाद में हत्या का आरोप; पति-पत्नी गिरफ्तार

फतेहपुर (सब का सपना):- हुसैनगंज थाना क्षेत्र में पीसीपी इंटर कॉलेज के पास झाड़ियों में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, प्रेम-प्रसंग को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या की गई थी। मामले में पुलिस ने घटना में इस्तेमाल गमछा भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, पीसीपी इंटर कॉलेज के पास झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष बताई गई थी। उसके बाएं हाथ पर अल्लाह लिखा हुआ था। जांच और शिनाख्त के प्रयासों के बाद मृतक की पहचान कय्यूम पुत्र चांद बाबू अहमद,

निवासी छेउका, थाना हुसैनगंज के रूप में हुई। इसके बाद मृतक के पिता चांद बाबू की तहरीर पर पुलिस ने हत्या और साक्ष्य छिपाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हुसैनगंज पुलिस ने कमलेश पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी छेउका और उसकी पत्नी प्रीती को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में कमलेश ने बताया कि कय्यूम और उसकी पत्नी के बीच पहले प्रेम-प्रसंग था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि 12 अक्टूबर 2026 को कय्यूम उसके घर आया था, जहां पत्नी के साथ कथित जबरदस्ती करने को लेकर विवाद हुआ। आरोप है कि इसके बाद कमलेश और प्रीती ने मिलकर गमछे से गला दबाकर कय्यूम की हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल हल्के हरे रंग का चेकदार गमछा बरामद किया है। इस मामले में थाना हुसैनगंज में मुकदमा अपराध संख्या 289/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 238 में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने मुकदमे में धारा 3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार पाण्डेय, उपनिरीक्षक कुँवर प्रखर सिंह, कांस्टेबल सर्वेश यादव, कांस्टेबल प्रदीप यादव और महिला कांस्टेबल शिवानी शामिल रहीं।

प्राचीन तीर्थस्थलों का होगा कायाकल्प, डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने शुक्रवार को सम्भल नगर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर विकास कार्यों एवं जनसुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण और साफ-सफाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने वार्ड 18 में कोतवाली के सामने मोहल्ला ठेर स्थित प्राचीन 68 तीर्थों एवं 19 महाकूपों में शामिल अकर्ममोचन कूप का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद

सम्भल को वंदन योजना के अंतर्गत कूप का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराने तथा वहां साइनेज लगवाने के निर्देश दिए। साथ ही कोतवाली के सामने चौक पर मूर्ति स्थापित कराने, ट्रांसफार्मर एवं विद्युत पोल शिफ्ट कराने और घंटाघर की घड़ी दुरुस्त कराने को कहा। इसके बाद जिलाधिकारी ने मुरादाबाद रोड स्थित तख्तगोसाईं में सरकारी भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार कराने और आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। फर्रखपुर में भूमि का निरीक्षण कर विनियमित क्षेत्र के अंतर्गत स्टेडियम निर्माण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही तालाब के सौन्दर्यीकरण के लिए खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने मनोकामना तीर्थ एवं प्राचीन महिष्मती नदी में चल रहे जीर्णोद्धार कार्य का भी निरीक्षण किया और संबंधित स्थलों पर साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सम्भल आदित्य प्रकाश, विनियमित क्षेत्र के अवर अभियंता सचिन कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वच्छ मंडी-शुभ मंडी अभियान के तहत किरतपुर और नजीबाबाद मंडी का औचक निरीक्षण

सफाई, पेयजल और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश, सीसीटीवी फुटेज से अभिलेखों का मिलान कराने पर जोर

बिजनौर (सब का सपना):- जिले की मंडियों को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्वच्छ मंडी-शुभ मंडी अभियान के तहत अधिकारियों द्वारा निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुरादाबाद मंडल के उपनिदेशक शिवकुमार राघव ने दूसरे दिन किरतपुर और नजीबाबाद मंडी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, गोदामों, दुकानों, क्षतिग्रस्त दीवारों और जल निकासी की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपनिदेशक ने मंडी परिसर में जमा कूड़ा-कचरा और मलबा तत्काल हटाने, रंगाई-पुताई कराने, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा दुकानों के पीछे सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडियों में स्वच्छता और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंडी के प्रवेश द्वार पर जारी होने वाली प्रवेश पर्चियों और कांटों से संबंधित अभिलेखों का सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से मिलान करने तथा चेकपोस्ट रजिस्टर की जांच करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने व्यवस्थाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने पर जोर दिया। नजीबाबाद मंडी में व्यापारी हाशिम अहमद, डॉ. इदरीस अंसारी और अयाज आलम ने मंडी की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए की जा रही पहल की सराहना करते हुए उपनिदेशक शिवकुमार राघव को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान व्यापारियों ने मंडी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से भी उन्हें अवगत कराया। वहीं, गल्ला मंडी के व्यापारी संजय राजपूत और सुनील आर्य ने पेयजल की समस्या उठाई। इस पर उपनिदेशक ने संबंधित अधिकारियों को समस्या का जल्द समाधान कराने के निर्देश दिए, ताकि मंडी में आने वाले व्यापारियों और अन्य लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उधर, बरेली से पहुंचे उपनिदेशक विद्युत यांत्रिक आलोक निधि गोयल ने भी मंडी का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए 20 बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयार की। अभियान के तहत अधिकारियों ने मंडियों में साफ-सफाई, मूलभूत सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया।

आयुष चिकित्सा पद्धतियों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया जाए:- डॉ. हिमांशु दक्ष

डीएमआर एक्ट 1954 में संशोधन कर भारत चिकित्सा संहिता एक्ट बनाने की उठाई मांग

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सिटी हॉस्पिटल एवं वेलक्योर मल्टीस्पेशलिटी होम्योपैथिक हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डॉ. हिमांशु दक्ष ने आयुष चिकित्सा पद्धतियों को सरकार की महत्वपूर्ण आयुष्मान भारत योजना में शामिल किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने सवाल किया कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है और इसे आयुष्मान योजना के दायरे से बाहर क्यों रखा गया है। डॉ. हिमांशु दक्ष ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों भी स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इन पद्धतियों से उपचार कराने वाले मरीजों को भी सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिलने के अवसर उपलब्ध होने चाहिए। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने से मरीजों को उपचार के बेहतर विकल्प मिल सकते हैं और स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच बढ़ सकती है। उन्होंने सरकार से मांग की कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने के संबंध में आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि इन पद्धतियों से उपचार कराने के इच्छुक पात्र मरीजों को भी योजना का लाभ मिल सके। डॉ. दक्ष ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य आमजन को सुलभ और किफायती उपचार उपलब्ध कराना होना चाहिए। इसलिए आयुष चिकित्सा पद्धतियों को भी सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में उचित स्थान दिए जाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। साथ के साथ डॉक्टर हिमांशु दक्ष ने कहा डीएमआर एक्ट 1954 में संशोधन करके भारत चिकित्सा संहिता एक्ट बनाया जाना चाहिए, ताकि आयुष चिकित्सा पद्धतियों को भी बढ़ावा मिल सके`

डॉ हिमांशु दक्ष ने भारत सरकार से मांग की कि भारत में चिकित्सा की पढ़ाई को इंटीग्रेटिव सिस्टम से शुरू किया जाना चाहिए, ताकि मेडिकल की बैचलर डिग्री में एक समान रूपता दिखाई दे और आयुर्वेदिक होम्योपैथिक एलापैथिक यूनानी नेचुरपैथी की डीप स्टडी को पीजी की मेडिकल डिग्री में पढ़ाया जाना चाइए, ताकि भारत के चिकित्सा जगत में एक पारदर्शिक कीर्तिमान स्थापित हो सके।

आवारा कुत्ते के हमले में 15 वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल

कुत्ते ने शरीर पर कई जगह काटकर किया लहूलुहान, सीएचसी में भर्ती

नगीना/बिजनौर सब का सपना):- नगर के आजाद कॉलोनी लाइन पार मोहल्ले में शुक्रवार दोपहर आवारा कुत्ते ने घर के बाहर खड़े 15 वर्षीय छात्र पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते ने छात्र के शरीर पर कई जगह काटकर उसे लहूलुहान कर दिया। छात्र की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों और आसपास के लोगों ने किसी तरह उसे कुत्ते के चंगुल से बचाया। घायल छात्र को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आजाद कॉलोनी लाइन पार निवासी नगर पालिका कर्मचारी विनोद ठाकुर का 15 वर्षीय पुत्र रितांत कुमार ठाकुर शुक्रवार दोपहर अपने घर के बाहर सड़क पर खड़ा था। इसी दौरान मोहल्ले में घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया। कुत्ते ने छात्र को कई जगह काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसकी आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा काफी मशक्कत के बाद उसे कुत्ते से बचाया। इसके बाद परिजन घायल छात्र को तत्काल सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। घायल छात्र के पिता विनोद ठाकुर ने बताया कि उक्त आवारा कुत्ता पहले भी कॉलोनी के दर्जनों लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर चुका है। इसके बावजूद कुत्ते के आतंक से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। घटना के बाद से मोहल्ले के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से आवारा कुत्ते को पकड़वाने और लोगों को उसके आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

11 हजार की लाइन बनी काल, करंट लगने से युवक की दर्दनाक मौत, पिता-पुत्र समेत दो गंभीर

घर के आंगन से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से पाइप टकराने पर हुआ हादसा, परिजनों ने बिजली विभाग पर लगाए लापरवाही के आरोप

शेरकोट/बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के थाना शेरकोट क्षेत्र के गांव हरेवली में शुक्रवार को बिजली का करंट लगने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब घर के आंगन में लगा नल का पाइप निकालते समय वह ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन से टकरा गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, गांव हरेवली निवासी अफजाल, अशफाक और उनके पिता घर में लगा नल का पाइप निकाल रहे थे। इसी दौरान पाइप घर के आंगन के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन से टकरा गया। इससे पाइप में करंट उतर आया और उसकी चपेट में आने से अफजाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अशफाक और उनके पिता गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घायल अशफाक और उनके पिता को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि घर के आंगन से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन को हटवाने के लिए पहले भी कई बार शिकायत की गई थी, लेकिन अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते लाइन को हटवा दिया जाता तो यह दर्दनाक हादसा नहीं होता। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से हाईटेंशन लाइन को हटवाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। ग्राम प्रधान मोहन सिंह ने भी हादसे की वजह घर के आंगन से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन को बताया। घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा के जिला मंत्री जयवीर पंचवाल और समाजवादी पार्टी के नेता कपिल कुमार भी गांव पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शिक्षक एमएलसी पद के लिए हुआ मतदान रहा शांतिपूर्ण

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बरेली मुरादाबाद खंड शिक्षक एमएलसी पद के लिए हुआ मतदान शांतिपूर्वक हुआ, मतदान स्थलों पर भारी पुलिस तैनात रहा। चुनाव में 17 प्रत्याशी मैदान में है लेकिन पांच प्रत्याशियों की हि बस्ते रखे मिले। कुल 694 मे से 60% 414 ही मत पढ़ सके। 23 अक्टूबर को हुए शिक्षक एमएलसी पद के चुनाव के लिए हिंदू इंटर कॉलेज मे मतदान केंद्र बनाए गए थे, इन मतदान केदो पर विकासखंड कोतवाली क्षेत्र के कुल 689 मतदाता है जिममें 369 शिक्षक और 320 शिक्षिकाएं मतदाता है, शुक्रवार की सुबह 8 बजे मतदान शुरू हुआ। स्टेशन रोड स्थित गांधी मूर्ति तिराहे पर शिक्षक एमएलसी पद के प्रत्याशी भाजपा प्रत्याशी सरदार हरि सिंह ढिल्लो, सपा के हाजी दानिश अख्तर, उ प्र माध्यमिक शिक्षक संघ के डॉक्टर सुनील गिरी, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के विमलेंद्र शर्मा, एवं डॉक्टर राजेंद्र कुमार गंगवार समेत पांच प्रत्याशियों के ही बस्ते रखे दिखाई पड़े अन्य किसी प्रत्याशी का कोई वास्ता या कार्यकर्ता नजर नहीं आया। मतदान सुबह से ही धीमी गति से चला। भाजपा प्रत्याशी हरि सिंह ढिल्लों अपने काफिले के साथ नगीना पहुंचे और भाजपाइयों अनूप वाल्मीकि, पूर्व विधायक सतीश कुमार, सौरभ मित्तल, अरविंद गहलोत, कृष्ण बलदेव, पूर्व सांसद डॉ यशवंत सिंह, चुनाव प्रभारी सतपाल सिंह, दिग्विजय सिंह चौधरी, डॉक्टर भूपेश कुमार, सोहन सैनी, पंडित सचिन शर्मा, प्रमोद चौहान सरदार हरमीत सिंह, प्रहलाद कुशवाहा, मनोज टंडन सभी कार्यकताओं से मतदान के संबंध में जानकारी की और मतदान स्थल भी पहुंचे जहां अपने मतदान एजेंट डॉक्टर संदीप शर्मा से संपर्क कर जानकारी दी। सपा के हाजी डेनिश अख्तर के बेस्ट की कमान शोएब इकबाल पंकज अग्रवाल राधा सैनी डॉ योगेंद्र धर्मवीर सिंह शमशाद राशिद महीगीर के हाथों में रही। 694 में से कुल 414 मत पड़े। मतदान शांति पूर्वक संपन्न करने के लिए थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार भारी पुलिस बल के साथ मतदान स्थल पर मौजूद रहे, तथा एसडीएम प्रिंस कुमार, वे सीओ राजेश कुमार सोलंकी, ने मध्य स्थलों का और सुरक्षा व्यवस्था का कई मर्तबा जय जालियां, और तैनात पुलिस कर्मियों को किसी तरह की गड़बड़ी न होने पाए हिदायत देते रहे।

मंडलायुक्त संगीता सिंह से मिले मानवाधिकार एसोसिएशन के पदाधिकारी

मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और महिला सशक्तिकरण पर दिया जोर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन की जिला शाखा के पदाधिकारियों ने मुरादाबाद स्थित कार्यालय में नवनियुक्त मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही संस्था का प्रतीक चिह्न (शील्ड) भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष समीर शर्मा के नेतृत्व में जिला कार्यक्रम सचिव नवदीप शर्मा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष मुरादाबाद नंदकिशोर, हर ज्ञान सिंह और शशांक विश्नोई सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त से क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके समाधान की मांग की। बैठक के दौरान मानवाधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था समय-समय पर मानवीय मुद्दों पर हस्तक्षेप कर पीड़ितों को न्याय दिलाने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रयास करती रहती है। इसके बावजूद समाज में अमानवीय घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिसका एक प्रमुख कारण मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता का अभाव है। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रारंभिक शिक्षा से लेकर विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक विशेष शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों को मानवाधिकारों की विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और दूसरों के अधिकारों के प्रति सम्मान की भावना विकसित हो सकेगी। चर्चा के दौरान मंडलायुक्त संगीता सिंह ने संस्था के पदाधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए जनहित और सामाजिक कल्याण के कार्यों को निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

नूरपुर में एमएलसी चुनाव के लिए मतदान शुरू, सपा पदाधिकारियों ने संभाली जिम्मेदारी

बूथ संख्या 62 पर सुबह आठ बजे से शुरू हुई वोटिंग, सपा प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर के एजेंटों ने संभाला मोर्चा

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव के तहत नूरपुर स्थित खंड विकास कार्यालय के बूथ संख्या 62 पर शुक्रवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर के बूथ एजेंट कुलदीप सैनी और अरुण कुमार ने मतदान प्रक्रिया की शुरूआत कराई। मतदान केंद्र पर मतदाताओं की सुविधा के लिए सपा कार्यकर्ता मतदाता सूची में नाम और क्रमांक की जानकारी देते नजर आए। इस दौरान समाजवादी पार्टी के जिला सचिव देवेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद दिलदार तथा लोहिया वाहिनी के जिला मीडिया प्रभारी सज्जा उद्दीन अल्वी ने भी मतदान संबंधी कार्यों में सहयोग किया। कार्यकताओं ने मतदाताओं को मतदाता सूची में उनका नाम और क्रमांक बताकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। मतदान केंद्र पर नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राम अवतार सिंह सैनी, समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अकबर नबी इदरीसी, सपा के जिला महासचिव धनंजय यादव, समाजवादी आंदोलन पार्टी के प्रदेश महासचिव राशिद अली मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष कल्याण दत्त शर्मा, जिला पंचायत सदस्य वार्ड संख्या पांच नूरपुर ब्लॉक के प्रत्याशी सलीम अहमद, सपा जिला सचिव मुकर्रम अल्वी, समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मोहम्मद रफी मिकरानी, नूरपुर ब्लॉक के वार्ड संख्या चार से जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी मास्टर कमल यादव, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष सईद अहमद अंसारी, समाजवादी आंदोलन पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मुफ्ती इफ्तिखार कासमी, नगीना लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी धर्मवीर सिंह दिवाकर तथा युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वसीम सिद्दीकी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसडीएम व ईओ की देखरेख में हटाया गया अतिक्रमण

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- एसडीएम प्रिंस कुमार व नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार की देखरेख में स्टेशन रोड पर गांधी मूर्ति से सिविल कोर्ट मुंसिफी तक के बाजार का अस्थाई अतिक्रमण दुकानदारों ने स्वयं ही हटा लिया। बैंक ऑफ इंडिया के बराबर में स्थित नवनिर्मित दुकान के मालिक आसिफ अल्वी ने नगर पालिका की भूमि पर बने निर्माण को भी ध्वस्त करा दिया। लोहे के स्थाई जीने(सीढ़ियां)भी हटा ली गई। समद भाई की नेशनल इलेक्ट्रॉनिक, हेयर कटिंग सैलून समेत सभी दुकानों के बाहर के अस्थाई अतिक्रमण को दुकानदारों ने स्वयं ही हटा लिया। एसडीएम प्रिंस कुमार ने एक्सेस बैंक की मैनेजर को बुलाकर बैंक के बाहर नगर पालिका की भूमि पर रखे हाई पॉवर जेनरेटर सेट को भी तत्काल हटाने के निर्देश दिए। प्रबंधक ने जेनरेटर हटाने के लिए दो दिन का समय मांग लिया। सिविल कोर्ट मुंसिफी के पास स्टैब्स क्लब को जाने वाली रोड के बराबर में करीब तीन फीट तक नगर पालिका की भूमि पर किए गए स्थाई अतिक्रमण(निर्मित दुकान व ऊपर बने भवन)को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने के प्रश्न पर एसडीएम प्रिंस कुमार ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के डायरेक्शन के अनुसार अंतिम चेतावनी नोटिस दिया जाएगा और फिर प्राथमिकी दर्ज कराकर डिमोलेशन (ध्वस्तीकरण) की कार्रवाई की जाएगी।

फतेहपुर में 17,596 मतदाताओं में से 8,306 ने किया मतदान, कुल मतदान 47.20 प्रतिशत

फतेहपुर (सब का सपना):- जिले में विभिन्न मतदेय स्थलों पर हुए मतदान में कुल 17,596 मतदाताओं में से 8,306 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 6,067 पुरुष और 2,239 महिलाएं शामिल हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल मतदान प्रतिशत 47.20 रहा। अमौली स्थित कार्यालय क्षेत्र पंचायत के दो मतदेय स्थलों पर क्रमशः 53.88 और 55.22 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मलवां में 52.53 प्रतिशत, हथगाम में 51 प्रतिशत तथा खागा तहसील के दो मतदेय स्थलों पर 48.58 और 48.06 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं विजयीपुर में 37.54 प्रतिशत और धाता के दो मतदेय स्थलों पर 33.25 तथा 33.71 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान जारी समयवार आंकड़ों के मुताबिक सुबह 10 बजे तक 1,028 मत पड़े, जो कुल मतदाताओं का 5.84 प्रतिशत था। दोपहर 12 बजे तक मतदान बढ़कर 3,128 यानी 17.78 प्रतिशत हो गया, जबकि अपराह्न दो बजे तक 5,941 मतदाताओं ने मतदान किया, जो 33.76 प्रतिशत रहा। अंतिम आंकड़ों में कुल 8,306 मतदाताओं के मतदान करने की जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन–2026
इलाहाबाद–झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र मतदान दिनांक–23, अक्टूबर 2026
वोटर टर्न आउट

क्र0 सं0	मतदेय स्थल की संख्या	मतदेय स्थल का नाम	कुल मतदाता पुरूष	कुल मतदाता महिला	कुल मतदाता योग	वोटर टर्न आउट कुल मतदान पुरूष	महिला	योग	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	137	राजकीय इण्टर कालेज जी0टी0रोड,फतेहपुर	232	129	361	112	46	158	43.76731302
2	138	राजकीय इण्टर कालेज जी0टी0रोड,फतेहपुर	354	264	618	184	86	270	43.68932039
3	139	राजकीय बालिका इण्टर कालेज आई.टी.आई. रोड फतेहपुर	324	209	533	136	76	212	39.77485929
4	140	राजकीय बालिका इण्टर कालेज आई.टी.आई. रोड फतेहपुर	460	266	726	222	103	325	44.76584022
5	141	राजकीय बालिका इण्टर कालेज आई.टी.आई. रोड फतेहपुर	409	239	648	204	97	301	46.45061728
6	142	राजकीय बालिका इण्टर कालेज आई.टी.आई.रोड फतेहपुर	343	208	551	143	90	233	42.28675136
7	143	कार्यालय क्षेत्र पंचायत बहुआ	331	133	464	200	72	272	58.62068966
8	144	कार्यालय क्षेत्र पंचायत बहुआ	573	226	799	333	102	435	54.44305382
9	145	क्षेत्र पंचायत कार्यालय, हसवां	631	276	907	334	97	431	47.51929438
10	146	क्षेत्र पंचायत कार्यालय, तेलियानी	442	177	619	250	65	315	50.88852989
11	147	कार्यालय क्षेत्र पंचायत भिटौरा	589	271	860	229	88	317	36.86046512
12	148	कार्यालय क्षेत्र पंचायत असोथर	682	198	880	427	108	535	60.79545455
13	149	तहसील कार्यालय बिन्दकी	901	428	1329	428	153	581	43.71708051
14	150	आद्याशरण सिंह इण्टर कालेज कोड़ा जहानाबाद	317	148	465	194	61	255	54.83870968
15	151	आद्याशरण सिंह इण्टर कालेज कोड़ा जहानाबाद	326	155	481	210	66	276	57.38045738
16	152	कार्यालय क्षेत्र पंचायत, अमौली	276	135	411	160	61	221	53.77128954

मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों का संबंधित धाराओं में किया चालान

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना नगीना क्षेत्र में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने नामजद चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए संबंधित धाराओं में उनका चालान कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम हरबंशपुर धारम निवासी संस्कार उर्फ मंटू पुत्र विनोद कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि अंकित पुत्र पुखराज, अन्नू उर्फ अनुराज पुत्र रामनाथ सिंह और उदयराज पुत्र रामकरण निवासी ग्राम बिजनाहेड़ी, थाना नगीना, हाल निवासी मोहल्ला देवेंद्र नगर, थाना नजीबाबाद ने उसके तथा उसके मित्र राहुल, नितिन और अदनान के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से हमला किया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना नगीना पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 324/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान देवराज सिंह पुत्र मुनेश सिंह निवासी ग्राम बिजनाहेड़ी, थाना नगीना का नाम भी प्रकाश में आया, जिसके बाद मुकदमे में धारा 3(5) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई।पुलिस ने मामले में नामजद एवं विवेचना के दौरान प्रकाश में आए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सभी आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित धाराओं में चालान कर दिया।

देशी शराब ठेके के सेल्समैन की पीट-पीटकर हत्या, 5-6 हजार रुपये लूटकर फरार हुए बदमाश

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना बिंदकी क्षेत्र के ग्राम दुर्गई में देर रात करीब 01:50 बजे डायल-112 पर सूचना मिली कि देशी शराब के ठेके पर सेल्समैन सतेंद्र सिंह के साथ मारपीट कर लूटपाट की गई है। सूचना पर पहुंची पीआरवी को सतेंद्र घायल अवस्था में मिले। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में सामने आया कि सतेंद्र रात

12:15 बजे ठेके के पास कैंटीन के बगल में खाट पर सो रहे थे। हमलावरों ने उनके सिर पर लाठी-डंडे से वार किया। मौके से कुछ दूरी पर तिरपाल के अंदर खून लगी पेड़ की डाली बरामद हुई है,

जिससे ही हत्या की आशंका है।हिसाब चेक करने पर पता चला कि दोपहर 2 बजे के बाद ठेके से 90 पाउच देशी शराब की बिक्री हुई थी, जिसके करीब 5 से 6 हजार रुपये गायब हैं।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। एसपी फतेहपुर ने बताया सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

खेत बचाओं अभियान अन्तर्गत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शामली (सब का सपना):- शुक्रवार को जनपद शामली मे कृषि भवन सभागार पर कृषि विभाग द्वारा खेत बचाओ अभियान अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि निदेशालय लखनऊ के निदेशो के क्रम मे खेत बचाओ अभियान 22 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक विभिन्न ग्राम पंचायत स्तर पर किया जायेगा। खेत बचाओं अभियान कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में, कृषि भवन, सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य रूप से इफको से फील्ड मैनेजर द्वारा कृषकों को नैनो यूरिया, नैनो डी०ए०पी० के बारे में कृषकों को जानकारी प्रदान की तथा

श्री सोनू कुमार विषय वस्तु विशेषज्ञ द्वारा कृषकों को फसल अवशेष प्रबन्धन को बढ़ावा देने और किसानों को फसल अवशेष न जलाये जाने के संबंध में जानकारी प्रदान की। सहायक विकास अधिकारी कपिल कुमार नोडल अधिकारी डे द्वारा कृषकों को प्राकृतिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण को जन-आन्दोलन का स्वरूप प्रदान करने की अपील की। प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी द्वा पौरुष कौशिक ने पी०एम०किसान सम्मान निधि एवं फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में कृषकों को जानकारी प्रदान की। कृषि विज्ञान केन्द्र जलालपुर पर भी कार्य क्रम डा सन्दीप चौधरी की अध्यक्षता मे खेत बचाओ अभियान अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान गोहरनी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। अन्त में श्री विशाल कुमार, बी०टी०एम० द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया।

बिजली वितरण के निजीकरण के विरोध में आज रोडवेज डिपो पर प्रदर्शन

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम और नूंह में बिजली वितरण के लिए निजी कंपनियों को समानांतर लाइसेंस देने के प्रस्ताव के विरोध में हरियाणा रोडवेज कर्मचारी राज्य सांझा मोर्चा शुक्रवार को सभी रोडवेज डिपो पर प्रदर्शन करेगा। गुरुग्राम डिपो में कर्मचारियों की ओर से दो घंटे तक विरोध जताया जाएगा। मोर्चा ने सरकार से बिजली वितरण के निजीकरण का फैसला वापस लेने और बिजली व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है। सांझा मोर्चा के राज्य प्रधान पवन सहारन, राज्य उपप्रधान संदीप दलाल और गुरुग्राम डिपो के पदाधिकारियों सतेंद्र कादयान, अमित राठी, मनीष दलाल व रविंद्र हुड्डा ने संयुक्त बयान में कहा कि सरकार गुरुग्राम और नूंह में बिजली वितरण का काम निजी कंपनी पावर-11 को 25 साल के लिए देने की तैयारी कर रही है। उनका कहना है कि दोनों जिले बिजली राजस्व के लिहाज से लाभ की स्थिति में हैं। पदाधिकारियों ने सरकार से समानांतर लाइसेंस देने और 25 साल के ठेके की योजना पर पुनर्विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिजली वितरण व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने के बजाय सरकारी बिजली व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर शुक्रवार को गुरुग्राम सहित प्रदेश के सभी रोडवेज डिपो में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पुनहाना में मिठाइयों और पनीर के नमूने लिए, जांच के लिए लैब भेजे जाएंगे

एजेंसी

गुरुग्राम। खाद्य पदार्थों की शुद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने पुनहाना में मिठाइयों और पनीर के नमूने लिए। विभाग की ओर से लिए गए नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाएगा, ताकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की पुष्टि हो सके।खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. विकास जागलान ने मिठाई विक्रेताओं से दुकानों और मिठाई बनाने वाले स्थानों पर साफ-सफाई रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रत्येक खाद्य कारोबारी की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि दुकानदार मिठाइयों के नाम, उनकी बिक्री दर और निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जैसे घी, वनस्पति या तेल की जानकारी काउंटर पर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें।

बाल दिवस प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

एजेंसी

गुरुग्राम। बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में स्कूली बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से आयोजित इन प्रतियोगिताओं के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक, रचनात्मक और बौद्धिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच प्रदान करना है। उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष अखिल पिलानी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जीएस मलिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान सोलो डांस, गायन, देशभक्ति ग्रुप सॉन्ग, हरियाणवी रागनी, रंगोली, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग और क्विज सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। जिला बाल कल्याण अधिकारी अनिल दहिया ने कहा कि प्रतियोगिताओं में भाग लेना बच्चों के आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। लेखाकार उदय चंद ने बताया कि 21 से 24 अक्टूबर तक 22 प्रतियोगिताएं 48 ग्रुप में आयोजित की जा रही हैं। 23 अक्टूबर को ग्रुप-2 की प्रतियोगिताएं होंगी।

पापड़ी गांव में पानी निकासी के लिए सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्राम पंचायत गंगवानी के पापड़ी गांव में लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या से ग्रामीणों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। गांव में पानी की निकासी के लिए सीवर लाइन दबाने का कार्य शुरू किया गया है। इसके पूरा होने के बाद ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से निजात मिलने के साथ ही आवागमन में भी सुविधा होगी। गौरतलब है कि पापड़ी गांव में लंबे समय से पानी जमा होने के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से अकबरपुर से पापड़ी आने-जाने वाले ग्रामीणों को काफी दिक्कतें होती थी। रास्ते में पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ती थी। ग्रामीणों को इस समस्या से राहत दिलाने के लिए पानी निकासी की व्यवस्था की जा रही है। जिला परिषद चेयरमैन जान मोहम्मद ने बताया कि गांव में पानी निकासी के लिए सीवर लाइन दबाने का कार्य किया जा रहा है। प्रयास है कि इस कार्य को जल्द पूरा कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को लंबे समय से बनी समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का समाधान करना प्राथमिकता है। ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को गति देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्य पूरा होने के बाद लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट और जेवर क्षेत्र से हाल ही में सामने आए मामलों के बीच, जेवर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रन्हेरा गांव से एक बेहद दर्दनाक और दुखद खबर सामने आई है। यहाँ घरेलू कलह और पारिवारिक विवाद के चलते एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। इस घटना के बाद से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। क्या है पूरा मामला? मिली जानकारी के अनुसार, रन्हेरा गांव में रहने वाली एक महिला पिछले कुछ दिनों से काफी मानसिक तनाव और घरेलू कलह से जूझ रही थी। स्थानीय निवासियों और परिजनों से प्राप्त शुरूआती जानकारी के अनुसार, गृह क्लेश से तंग आकर महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। जब परिजनों को इस बात की भनक लगी, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। आनन-फानन में परिवार के लोग महिला को लेकर एक स्थानीय निजी अस्पताल पहुंचे, ताकि समय रहते उसकी जान बचाई जा सके।अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत उसका इलाज शुरू किया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। आखिरकार, बुधवार को इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। इस अचानक हुई मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। बीस साल पहले हुई थी शादी, भरा-पूरा है परिवार मृतका के पारिवारिक जीवन की बात करें तो उसकी शादी करीब बीस साल पहले हुई थी। वह अपने परिवार के साथ लंबे समय से रन्हेरा गांव में रह रही थी। उसके परिवार में उसका पति और तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और एक बेटी शामिल हैं। इतने लंबे समय तक सुखी जीवन बिताने के बाद अचानक इस तरह की घटना घट जाना हर किसी को हैरान कर रहा है। बच्चों के सिर से मां का साया उठ जाने के कारण परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। आसपास के लोग भी इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं।पुलिस का पक्ष और जांच की स्थिति

सेंचुरियन कप: ग्लैक्सी रेंजर्स ने एलीट फोर्स 11 को 46 रन से हराया, अमित सिंह बने मैन ऑफ द मैच

एजेंसी

नोएडा। ग्लैक्सी रेंजर्स की शानदार बल्लेबाजी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ग्लैक्सी रेंजर्स की शुरूआत उम्मीद के मुताबिक रही। हालांकि पारी के दौरान विकेट गिरने का सिलसिला भी जारी रहा, लेकिन टीम ने निर्धारित ओवरों में एक सम्मानजनक और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफलता हासिल की। ग्लैक्सी रेंजर्स ने निर्धारित ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 166 रन का मजबूत स्कोर बोर्ड पर टांगा। टीम की ओर से बल्लेबाजी में राहुल ने सबसे अहम और जिम्मेदारी भरी पारी खेली। उन्होंने मैदान के चारों ओर बेहतरीन शॉट लगाते हुए 49 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपनी टीम को एक मजबूत स्थिति तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी छोटे-छोटे लेकिन उपयोगी योगदान दिए, जिसके दम पर टीम 166 के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही। एलीट फोर्स 11 की कसी हुई गेंदबाजी एलीट फोर्स 11 के गेंदबाजों

ने शुरूआत से ही ग्लैक्सी रेंजर्स के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की। टीम के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम के 9 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। एलीट फोर्स 11 की तरफ से गेंदबाजी में शिवांक सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने अपनी फिरकी या गेंदबाजी कौशल का जलवा बिखेरते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनका साथ देते हुए विशाल ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की और विपक्षी टीम के 2 बल्लेबाजों को आउट किया। गेंदबाजों के इस संयुक्त प्रयास के दम पर उन्होंने ग्लैक्सी रेंजर्स को 170 के स्कोर के अंदर रोकने में सफलता पाई थी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट फोर्स 11 की नाकामी 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलीट फोर्स 11 की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ग्लैक्सी रेंजर्स के गेंदबाजों ने शुरूआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और एलीट फोर्स के बल्लेबाजों को क्रीज पर टिकने का ज्यादा मौका नहीं दिया। दबाव बढ़ता गया और लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे। एलीट फोर्स 11 की पूरी टीम निर्धारित ओवरों में संघर्ष करने के बावजूद 9 विकेट पर मात्र 120 रन ही बना सकी। टीम का कोई भी बड़ा बल्लेबाज मैदान पर टिककर लंबी पारी नहीं खेल पाया, जिसके चलते उन्हें 46 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। अमित सिंह बने 'मैन ऑफ द मैच' ग्लैक्सी रेंजर्स की इस शानदार और यादगार जीत में सबसे बड़ा योगदान उनके गेंदबाज अमित सिंह का रहा। अमित ने अपनी घातक गेंदबाजी से एलीट फोर्स 11 की बल्लेबाजी क्रम की रीढ़ तोड़ दी। उन्होंने अपने स्पेल में शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके और विपक्षी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। उनकी इस बेहतरीन और मैच जिताऊ गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सेंचुरियन कप का यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा और आने वाले मैचों के लिए दोनों टीमों ने अपनी तैयारियों का संदेश दे दिया है।

बिजली कर्मियों की हड़ताल से बिजली-पानी पर संकट, 3000 से ज्यादा आईं शिकायतें

एजेंसी

गुरुग्राम। निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों की हड़ताल से शहर में बिजली संकट गहरा गया है। बृहस्पतिवार को बिजली निगम के शिकायत केंद्र में 12 घंटे में 3000 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गईं। हड़ताल पर रहे कर्मियों ने महरौली रोड स्थित बिजली निगम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। बिजली कर्मी हरियाणा विद्युत नियामक आयोग द्वारा निजी क्षेत्र की कंपनी को विद्युत प्रसारण अधिकार देने के खिलाफ हैं। इस हड़ताल के कारण शहर के कई इलाकों में पूरी रात बिजली नहीं थी। बिजली न होने से पानी की आपूर्ति भी बाधित हुई। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम सहित बिजली विभाग के सभी अंगों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। गुरुग्राम सर्कल वन में करीब 1200 बिजली कर्मी काम नहीं कर रहे हैं। कर्मचारियों के संगठन ने

24 अक्तूबर तक हड़ताल जारी रखने की घोषणा की है। हड़ताल से प्रभावित क्षेत्र संगठन का दावा है कि गुरुग्राम में करीब 96.75 फीसदी बिजली कर्मी हड़ताल पर हैं। बुधवार रात 12 से बृहस्पतिवार दोपहर 12:30 बजे के बीच सर्किल 1 से 2854 और सर्किल 2 से 379 शिकायतें मिलीं। ये शिकायतें सामान्यतः एक हफ्ते में आती हैं। सेक्टर 9 सबस्टेशन, न्यू कॉलोनी सबस्टेशन, गढ़ी गांव और सदर बाजार जैसे इलाके बिजली संकट से प्रभावित रहे। निगम के नए और अनुभवहीन कर्मी बिजली की खराबी ठीक नहीं कर पा रहे थे।

इस्कॉन मंदिरों में महीने भर होगा दीपदान

एजेंसी

नोएडा। कार्तिक मास की शुरूआत के साथ ही सेक्टर-33 और सेक्टर-151 स्थित इस्कॉन मंदिरों में एक माह तक भक्ति और दीपदान का आयोजन होगा। श्रद्धालु पूरे महीने भगवान श्रीकृष्ण के दामोदर स्वरूप को दीप अर्पित करेंगे। इस्कॉन के बैकुंठनाथ ने बताया कि कार्तिक मास में भगवान श्रीकृष्ण और माता यशोदा को दीपदान किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, बाल लीला के

दौरान माता यशोदा ने भगवान श्रीकृष्ण को रस्सी से ओखली के साथ बांध दिया था। इसी लीला के कारण भगवान का नाम दामोदर पड़ा। दीपदान के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में चार बार, नाभि कमल पर दो बार, मुख कमल पर तीन बार और पूरे शरीर पर सात बार दीप दिखाते हैं। इसके बाद इसी तरह माता यशोदा को दीप अर्पित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में करीब 200 श्रद्धालु दीपदान करते हैं, जबकि एकादशी जैसे विशेष अवसरों पर यह संख्या एक हजार से अधिक हो जाती है। 26 अक्तूबर को शरद पूर्णिमा पर श्रीकृष्ण श्यामदेव की रासलीला के साथ दीपोत्सव की शुरूआत होगी। 30 अक्तूबर को श्रील नरोत्तम दास ठाकुर का तिरोभाव दिवस मनाया जाएगा। दो नवंबर को श्री राधाकुंड आविर्भाव दिवस यानी बहुलाष्टमी मनाई जाएगी। पांच नवंबर को श्री रमा एकादशी का आयोजन होगा। नौ नवंबर को दिवाली पर दीपदान होगा। 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा और 13 नवंबर को श्रील प्रभुपाद का तिरोभाव दिवस मनाया जाएगा। इसके बाद 17 नवंबर को गोपाष्टमी मनाई जाएगी। 21 नवंबर को देवोत्थान एकादशी, गौर किशोर दास बाबाजी का तिरोभाव दिवस और भीष्म पंचक का प्रारंभ होगा। 24 नवंबर को श्रीकृष्ण दास रास यात्रा, तुलसी-शालिग्राम विवाह और भीष्म पंचक के समापन पर विशेष आयोजन होंगे।

नोएडा में नई न्यूनतम मजदूरी लागू, अकुशल श्रमिकों को मिलेंगे 13,884

एजेंसी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की नई दरें 1 अक्टूबर 2026 से लागू हो गई हैं। नई दरों के तहत अकुशल श्रमिकों को प्रतिमाह 13,883.59, अर्द्धकुशल श्रमिकों को 15,271.41 और कुशल श्रमिकों को 17,106.39 मजदूरी निर्धारित की गई है। इन दरों में मूल मजदूरी के साथ परिवर्तनीय महंगाई भत्ता भी शामिल है। नई व्यवस्था 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगी। इससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जिले के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के वेतन निर्धारण पर असर पड़ेगा। अपर श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, गौतमबुद्धनगर राकेश द्विवेदी ने बताया कि राज्य सरकार के श्रम अनुभाग-2 की ओर से विभिन्न श्रेणियों के श्रमिकों के लिए परिवर्तनीय महंगाई भत्ते की नई दरें

जारी की गई हैं। इसके आधार पर श्रमिकों की कुल न्यूनतम मजदूरी निर्धारित की गई है। श्रम विभाग की ओर से जारी विवरण के अनुसार, अकुशल श्रमिकों की मूल मासिक मजदूरी 12,885 और महंगाई भत्ता 998.59 तय किया गया है। इस प्रकार उनकी कुल मासिक मजदूरी 13,883.59 होगी। इसी तरह, अर्द्धकुशल श्रमिकों की मूल मजदूरी 14,173 तथा महंगाई भत्ता 1,098.41 निर्धारित किया गया है। इससे उनकी कुल मासिक मजदूरी 15,271.41 हो जाएगी। कुशल श्रमिकों के लिए मूल मजदूरी 15,876 और महंगाई भत्ता 1,230.39 तय किया गया है। इस श्रेणी में कुल मासिक मजदूरी 17,106.39 निर्धारित की गई है। नई दरों के तहत दैनिक मजदूरी का निर्धारण भी किया गया है। श्रम विभाग के विवरण के अनुसार, मासिक मजदूरी को 26 से विभाजित करके दैनिक मजदूरी की गणना की गई है। इन दरों के माध्यम से श्रमिक अपनी श्रेणी के अनुसार देय न्यूनतम मजदूरी की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नियोक्ताओं को भी निर्धारित श्रेणी और लागू नियमों के अनुरूप मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करना होगा। 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेंगी दरें श्रम विभाग के अनुसार, न्यूनतम मजदूरी की ये दरें 1 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगी। इस अवधि में संबंधित श्रमिकों को निर्धारित मूल मजदूरी और परिवर्तनीय महंगाई भत्ते के आधार पर भुगतान किया जाना है। श्रमिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने कार्य की प्रकृति और निर्धारित श्रेणी के अनुसार लागू मजदूरी की जानकारी प्राप्त करें। वहीं, नियोक्ताओं को मजदूरी भुगतान से संबंधित नियमों का पालन करना होगा, ताकि श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम वेतन मिल सके। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर तय हुआ महंगाई भत्ता श्रम विभाग के मुताबिक, परिवर्तनीय महंगाई भत्ते का निर्धारण अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर किया जाता है। इस बार की गणना में आधार वर्ष 2001 को 100 मानते हुए जनवरी से जून 2026 तक के औसत सूचकांक 431 को आधार बनाया गया है।

एमएच पब्लिक स्कूल ने जीते दो पदक

एजेंसी

नोएडा। शिक्षा और खेल के क्षेत्र में गौतम बुद्ध नगर और आसपास के इलाकों का नाम लगातार रोशन हो रहा है। इसी कड़ी में बादलपुर गांव स्थित प्रतिष्ठित एमएच पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने खेल के मैदान पर एक बार फिर से ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। स्कूल की वॉलीबॉल टीमों ने सीबीएसई क्लस्टर प्रतियोगिता में बेहतरीन और अनुकरणीय प्रदर्शन करते हुए पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। इस शानदार उपलब्धि से न केवल स्कूल परिसर में जश्न का माहौल है, बल्कि पूरे गांव और खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। हरिद्वार में आयोजित हुई थी चार दिवसीय रोमांचक प्रतियोगिता उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र में स्थित जमदानी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में चार दिवसीय भव्य सीबीएसई क्लस्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश और आसपास के कई जाने-माने स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया था। सभी टीमों के बीच मुकाबला बेहद कड़ा और रोमांचक था, जहाँ हर एक टीम जीत हासिल करने के लिए अपना सौ प्रतिशत देती नजर आई। बावजूद इसके, बादलपुर के एमएच पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने अपनी कड़ी मेहनत, बेहतरीन टीम वर्क और उत्कृष्ट खेल कौशल के दम पर शुरूआत से ही मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा। खिलाड़ियों के अनुशासन और जोश को देखकर हर कोई उनकी प्रतिभा का कायल हो गया। अंडर-17 बालक वर्ग में लहराया परचम, फाइनल में मेरठ को दी शिकस्त प्रतियोगिता के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक अंडर-17 बालक वर्ग का फाइनल मैच रहा।

पेट के लिए अच्छा होता है हरा बादाम

हरे बादाम नट्स होते हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। सूखे बादाम की तुलना में इनमें कई पोषक तत्व अधिक होते हैं। क्या-क्या हैं इनके फायदे और इन्हें कैसे खाएं, इस आलेख में हम यही बता रहे हैं -

- हरे बादाम स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, क्योंकि ये एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल सकते हैं। ये रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।
- ये बादाम वजन घटाने के लिए अच्छे हैं, क्योंकि इनमें स्वस्थ वसा शामिल है। ये अतिरिक्त वसा को बाहर निकालने में मदद करते हैं।
- हरे बादाम पेट के लिए अच्छे होते हैं, क्योंकि इनमें बहुत अधिक फाइबर होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाता है और कब्ज से मुक्ति दिलाता है।
- ये बालों के लिए भी फायदेमंद हैं, क्योंकि इनमें विटामिन, खनिज और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं।
- हरा बादाम फोलिक एसिड का अच्छा स्रोत है, जो भ्रूण के मस्तिष्क और न्यूरोलॉजिकल विकास में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन ई बच्चे को अस्थमा के जोखिम से बचाता है।

बरतें सावधानी

- सूखे बादाम के मुकाबले हरे बादाम में पानी की मात्रा अधिक होती है और फाइबर भी ज्यादा होता है। इसलिए गर्मियों के मौसम में सूखे बादाम के मुकाबले हरे बादाम ज्यादा खाए जा सकते हैं।
- हरे बादाम में पानी और फाइबर की मात्रा भरपूर होने के कारण ये गर्मियों के मौसम में पाचन में बहुत मदद करते हैं। वैसे तो हरे बादाम को खाने की मात्रा डाइट पर निर्भर करती है, पर आमतौर पर आठ से दस बादाम एक दिन में खाये जा सकते हैं।
- हरे बादाम में पोटैशियम अधिक होता है। इसलिए किडनी से जुड़ी परेशानी वालों को विशेषज्ञ से परामर्श के बाद ही इनका सेवन करना चाहिए।
- वैसे तो हरे बादाम को छीलकर खाया जा सकता है, पर कोई इस तरह न खाना चाहे, तो इनको ऑलिव ऑयल के साथ भी खा सकते हैं।

बुढ़ापे से रहना है दूर तो रोजाना खाएं ये 5 तरह के फूड

बुढ़ा होना एक नेचुरल प्रक्रिया है, जिसे आने से कोई नहीं रोक सकता है, लेकिन जीवन में मिलने वाली तमाम तरह की चुनौतियों से लड़ते-लड़ते इंसान कितनी जल्दी बूढ़ा हो जाता है, ये बात वह खुद भी नहीं समझ पाता है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों के नीचे कालापन, बालों का रूखा होना जैसी चीजें दिखाती हैं कि आप बूढ़े होने लगे हैं। ऐसे में हमारा खानपान बेहतर होना बहुत जरूरी है। हम आपको ऐसे फूड के बारे में बता रहे हैं, जिसके सेवन से बुढ़ापा जल्दी नहीं आएगा। टमाटर और तरबूज लाइकोपेन के समृद्ध स्रोत के रूप में जाने जाते हैं। लाइकोपेन फ्री रेडिकल्स को न्यूट्रिलाइज करता हुआ उनका सामना करता है और विशेष तरह के कैंसर होने के चांस भी घटाता है। एंटिऑक्सीडेंट्स की मौजूदगी त्वचा को सन डैमेज से सुरक्षित रखती है। पकाए गए टमाटर बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि गर्म होने के कारण शरीर में अधिक एंटिऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। टमाटर का जूस और कच्चे टमाटर भी अच्छे स्रोत हैं।

लहसुन और सब्जियां

लहसुन और दूसरी सब्जियां जैसे प्याज, लीक्स और शैलॉट्स में एलियम होता है, जो फ्री रेडिकल्स का सामना करने का ताकतवर हथियार है। ये न केवल एजिंग का सामना करते हैं, बल्कि शरीर के इम्यून सिस्टम की मजबूती भी बढ़ाते हैं।

बेरीज

बेरीज जैसे कि ब्ल्यूबेरीज, स्ट्रॉबेरीज, ब्लैकबेरीज, चेरीज और पॉमग्रेनेट एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। गहरे रंगों वाले फल और सब्जियों में एंटी ऑक्सीडेंट कैमिकल्स सुरक्षित रहते हैं।

बीन्स

सभी तरह की बीन्स, रेड, ब्लैक, किडनी, एंटिऑक्सीडेंट्स का समृद्ध स्रोत हैं। सोयाबीन्स में आईसोफ्लेवन्स होता है, जिसमें एंटि-एजिंग गुण होते हैं। ये कैंसर, बैड कोलेस्ट्रॉल और ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम में सहायक होते हैं।

नट्

नट्स में स्वास्थ्यवर्धक फैट होते हैं, जो इलास्टिन और कोलेजेन का लाभ देते हुए (त्वचा में पाए जाने वाले प्रोटीन) त्वचा की नमी बरकरार रखते हैं। एक मुट्ठी नट्स रोज लेने से आपको जरूरी एंटिऑक्सीडेंट्स मिल जाते हैं। कम मात्रा में लेने की सलाह दी जाती है, चूंकि नट्स में काफी कैलोरी होती है।

रेसिपी

ऑरेंज संदेश की मिठाई

सामग्री

- किसा हुआ ताजा पनीर: 2 कप
- ऑरेन्ज क्रश (संतरे का गूदा): 3/4 कप
- दूध: 2 टेबल-स्पून
- छिले हुए संतरे की फांक: 1/2 कप
- केसर: 5 धागे
- पिस्ता बारीक कटा हुआ: 1 चम्मच

विधि

पनीर, संतरे का गूदा और दूध को एक बाउल में मिलाकर तब तक मसलें, जब तक सारी सामग्री मिक्स होकर एक जैसी न हो जाए। मिश्रण की छोटी-छोटी गोलियां बनाएं और उसके ऊपर केसर के धागे एवं कटा हुआ पिस्ता डालकर सजाएं। सर्व करते समय इन्हें संतरे की फांक के साथ सजाकर पेश करें। आप चाहें तो इसे प्लेट में डालकर अच्छी तरह फैला लें। इसके ऊपर संतरे की फांक लगाकर सजाएं। कम से कम 3 से 4 घंटे के लिए इसे फ्रिज में जमने के लिए रखें। ठंडा परोसें।

बाजरा खिचड़ी

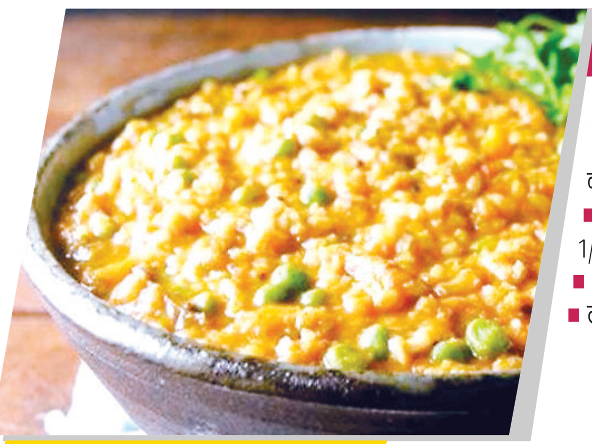

सामग्री

■ बाजरा : 1 कप ■ गाजर (कटी हुई) : 1/2 कप ■ बीन्स : 1/2 कप ■ मटर : 1/2 कप ■ हरी धुली मूंग दाल : 1/2 कप ■ प्याज : 1/2 कप ■ हल्दी : एक चौथाई टेबलस्पून ■ नमक : 1 टेबलस्पून ■ जीरा : 1 टेबलस्पून ■ लाल मिर्च : 1 टेबलस्पून ■ तेल : 1 टेबलस्पून

विधि

मूंग दाल धोकर आधे घंटे तक भिगोने के लिए रख दें। बाजरे को धोएं और उसे पानी में एक घंटे के लिए भिगोकर रख दें। प्रेशर कुकर लें और इसमें एक टेबलस्पून तेल डालें। इसके बाद एक टेबलस्पून जीरा डालें। कटी हुई प्याज डालकर धीमी आंच पर पकाएं। प्याज के हल्के भूरे होने पर इसमें गाजर डालें। अब कटे हुए बीन्स और मटर डालें। अच्छी तरह से मिक्स करें। हल्का पकने के बाद इसमें मूंग दाल के साथ उसका पानी भी डाल दें। अब प्रेशर कुकर में बाजरे के साथ उसका पानी भी डाल दें। इसमें थोड़ा और पानी डालकर इसे उबाल लें। अब 1 टेबलस्पून नमक, लाल मिर्च और हल्दी पाउडर डाले। खिचड़ी जैसा गाढ़ापन लाने के लिए इसमें थोड़ा और पानी डालें। अब प्रेशर कुकर का ढक्कन ढक दें। प्रेशर कुकर में तीन से चार सीटियां लगने दें। 10 मिनट के लिए ठंडा होने दें। दही के साथ गरमागरम खिचड़ी सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 4048

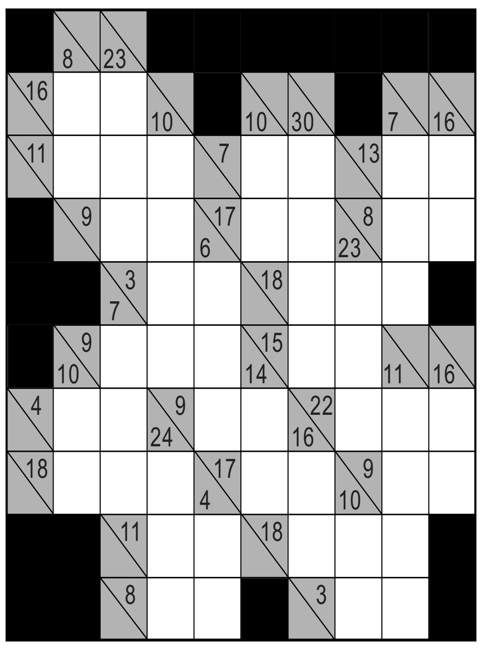

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

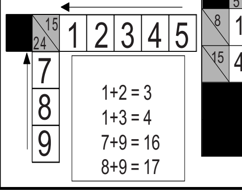

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4047 का हल

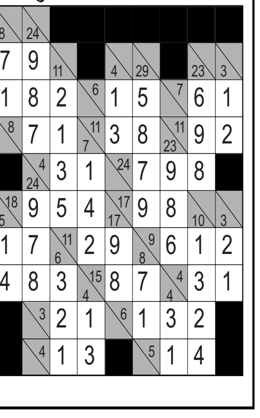

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 4048

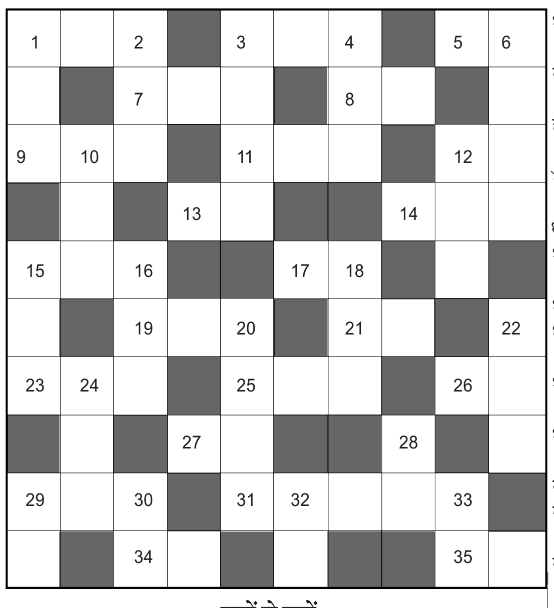

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4047

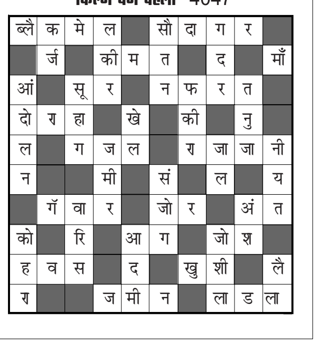

सूडोकु -4048

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4047 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 4048

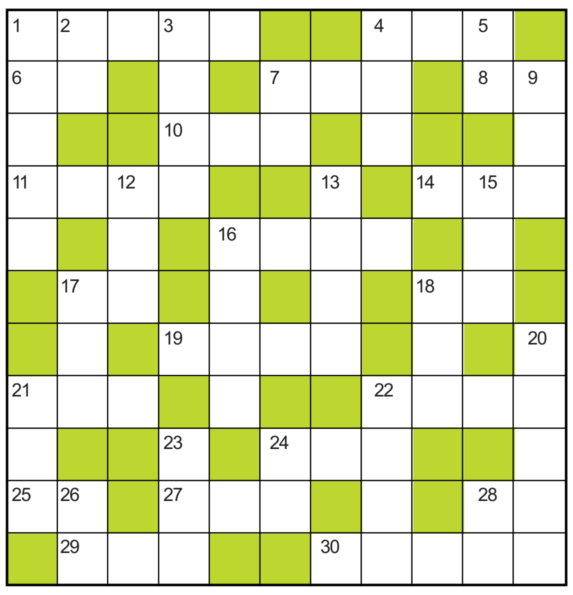

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -4047 का हल

नाना ने 5 साल तक नहीं की थी पिता जी से बात: सलमान खान

हाल ही में बॉलीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान ने खुलासा किया कि उनके नाना उनकी मॉम और डैड की शादी के सख्त खिलाफ थे और उन्होंने पापा सलीम खान से पूरे पाँच साल तक बात तक नहीं की थी। सलमान ने यह चौंकाने वाला किस्सा किसी और जगह नहीं, बल्कि बिग बॉस 20 के मंच पर वीकेंड के वार के दौरान सबके सामने रखा।

इतना ही नहीं, एक्टर ने अपने माता-पिता की लड़ाई को लेकर भी हैरान करने वाला खुलासा किया, जब सलमान की मां, सलमा खान, सलीम खान संग बहस करके गुस्से में घर छोड़कर अपने मायके चली गई थीं। बिग बॉस 20 के स्टेज पर कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए सलमान खान ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ा यह पुराना और दिलचस्प राज खोला। उन्होंने बताया कि जब उनके माता-पिता की शादी हुई थी, तब किसी धर्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, बल्कि असली वजह कुछ और ही थी। सलमान ने बताया कि उनके नाना इस बात से नाराज थे कि उनकी बेटी की शादी एक ऐसे गुड लुकिंग इंसान से हो रही है जो एक्टर बनना चाहता है और फिल्म इंडस्ट्री में हाथ आजमा रहा है। नाना को इसी बात पर सबसे बड़ा एतराज था। सलमान ने आगे बात करते हुए बताया कि उनके नाना को हमेशा यही डर सताता रहता था कि उनकी बेटी इस फिल्मी माहौल में अपना जीवन कैसे बिताएगी। इसी नाराजगी के चलते उन्होंने सलीम खान से पाँच साल तक दूरी बनाए रखी और बातचीत बंद कर दी थी।

एक्टर ने यह भी साझा किया कि जब उनके छोटे भाई सोहेल खान का जन्म हुआ, तब उनके नाना माहिम से बांद्रा आए थे। वह अपने साथ जलेबी का डिब्बा लेकर आए थे और उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया था कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई कि उन्होंने अपने नाती-नातिन को बचपन में बड़े होते हुए नहीं देखा। वहीं, सलमान ने ये भी बताया कि एक बार जब डैड और मॉम की एक लड़ाई हुई तो मॉम गुस्से में मायके चली गईं, लेकिन उनके नाना ने फिर उनकी मां को कहा कि वह जब चाहें घर आ सकती हैं, लेकिन लड़ाई के बाद कभी नहीं। सलमान ने अपने नाना के शब्दों को दोहराते हुए कहा, उन्होंने कहा कि तुम कभी भी घर आ सकती हो, लेकिन झगड़ा करके तुम नहीं आओगी। यह एक ऐसी सीख थी जो सलमा खान के जीवन में हमेशा रही। सलीम खान और सलमा की प्रेम कहानी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दोनों के प्यार की शुरुआत बालकनी से एक-दूसरे को देखने से हुई थी। सलीम खान ने खुद एक बार बताया था कि वे शाम और रात के वक्त लाइन में खड़े होकर एक-दूसरे से मिल लिया करते थे। जब सलमा के घर वालों को इस बात की भनक लगी, तो उन पर काफी दबाव बढ़ने लगा। इसके बाद दोनों ने कड़ा कदम उठाते हुए शादी करने का फैसला किया। सलीम खान की जिंदगी में एक नया मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात हेलेन से हुई। सलीम और हेलेन साल 1963 में एक फिल्म के सेट पर मिले थे, जहां से दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। इसके बाद सलीम और हेलेन ने साल 1980 में शादी कर ली। हालांकि सलीम खान पहले से शादीशुदा थे और उनके चार बच्चे थे, लेकिन इसके बावजूद पूरे परिवार ने हेलेन को खुले दिल से अपनाया।

मैं हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हूं: माही विज

हाल ही में बिग बॉस-20 में अभिनेत्री माही विज से साथी प्रतियोगी काजी तौकीर ने उनकी प्रेम कहानी के बारे में मजाकिया अंदाज में सवाल पूछा, जिस पर माही विज शर्मा गईं। तौकीर ने पूछा कि क्या कोई भी व्यक्ति उनसे संपर्क कर सकता है। इस सवाल के जवाब में माही ने कहा, नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता। मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूं।

उनके इस जवाब ने चर्चा को और हवा दी, खासकर ऐसे समय में जब उनके निजी जीवन को लेकर अटकलें तेज हैं। इसके बाद काजी ने माही से और जानकारी लेने की कोशिश की, यह जताते हुए कि शायद वह कुछ चुनिंदा लोगों में ही दिलचस्पी रखती हों। उन्होंने माही को चिढ़ाते हुए पूछा कि क्या वह तीन-चार लोगों में से किसी को चुनेंगी या कोई उसे सीधे शादी का प्रस्ताव दे सकता है। काजी के लगातार मजाक उड़ाने पर माही मुस्कुराती और शर्माती नजर आईं, लेकिन अपनी बात पर कायम रहीं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि उनके पास कितने विकल्प हैं, यह इशारा करते हुए कि माही की प्रतिक्रिया से शायद यह पता चलता है कि उनकी जिंदगी में कोई खास है या उन्हें कई लोगों का ध्यान मिल रहा है, हालांकि माही ने किसी में दिलचस्पी होने की बात स्वीकार नहीं की। उस समय उदिति भी उनके आसपास ही थीं, जिन्होंने टिप्पणी की कि शायद माही का कोई खास इंसान यह शो देख रहा होगा। यह हल्की-फुल्की बातचीत जनवरी 2026 में माही और टेलीविजन अभिनेता जय भानुशाली द्वारा अपने 14 साल के वैवाहिक जीवन के अंत की घोषणा के कुछ महीनों बाद हुई है।

पूर्व दंपति की एक बेटी तारा है और वे अपने गोद लिए बच्चों खुशी और राजवीर की परवरिश भी कर रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके प्रशंसकों को उनके निजी जीवन को लेकर उत्सुकता है और वे उनके अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, जय भानुशाली ने हाल ही में बताया कि बिग बॉस 20 में माही विज की भागीदारी ने उन्हें अपनी बेटी तारा के साथ अधिक समय बिताने का अवसर दिया है। इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों से बातचीत के दौरान जय ने बताया कि माही की अनुपस्थिति में तारा के साथ अधिक समय बिताने से उनका और तारा के साथ रिश्ता और मजबूत हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह माही को रियलिटी शो में जारी रखना चाहते थे।

सूर्या: का दमदार टीज़र रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म 'सूर्या- अंत से आरंभ तक' का दमदार टीज़र रिलीज कर दिया गया है। एम. पद्मकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल एक बिल्कुल अलग और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने अतीत के दर्द से जूझते हुए मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपी एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने निकलता है। क्राइम थ्रिलर से भरपूर टीज़र में भावनात्मक उतार-चढ़ाव, जांच-पड़ताल, रहस्य और एक्शन की झलक देखने को मिलती है। 19 अक्टूबर को सनी देओल के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने इसका टीज़र जारी किया। इससे पहले फिल्म के मोशन पोस्टर को दर्शकों और अभिनेता के प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर में सनी देओल का रफ एंड टफ लुक, चेहरे पर उम्र का असर और उनकी गंभीर नजरें चर्चा में रही थीं। अब टीज़र ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। टीज़र से संकेत मिलता है कि 'सूर्या' की कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार एक ऐसे सिस्टम से जुड़े हैं।

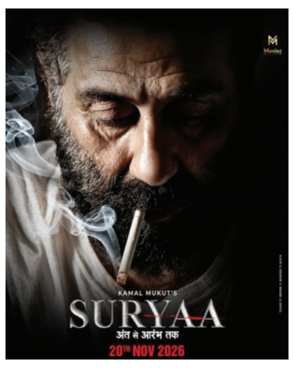

कबूतर में मुख्य भूमिका निभाएंगे नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी

बॉलीवुड के लेखक-निर्देशक इशान शर्मा की पहली फीचर फिल्म कबूतर में बॉलीवुड अभिनेता नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका निभाते नज़र आएंगे। इस अनोखी फिल्म की मुख्य शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होने वाली है, जो पुरानी दिल्ली की जर्जर होती इमारतों और वहां की अनूठी दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। कबूतर का निर्माण निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क्स कर रही है। यह भारत, फ्रांस और नॉर्वे के बीच एक महत्वाकांक्षी अंतरराष्ट्रीय सह-निर्माण है, जिसमें भारत की एमडीसी फिल्मवर्क्स, फ्रांस की हायकू फिल्म्स और नॉर्वे की रैन फिल्म शामिल हैं। भारतीय पक्ष से रोहित सक्सेना सह-निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। कबूतर की कहानी महबूब नाम के एक सड़कछाप जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी ज़िंदगी में अनोखे तरीके से काम करता है। महबूब गुप्त रूप से जिन्न के नाम लिखे गए खत पढ़ता है, ताकि संभावित ग्राहक तलाश सके।

इसी दौरान उसकी मुलाकात नाओको से होती है, जो जापान से आई एक पर्यटक है और अपने अतीत के दर्द से जूझ रही है। कहानी में रूबी नाम का एक छोटा बच्चा भी है, जो अपने माता-पिता की तलाश में है। फिल्म में अनोखेपन, भावनात्मक गहराई और मानवीय अनुभवों के विरोधाभासों को एक अलग अंदाज़ में पेश किए जाने की उम्मीद है, और इस फिल्म में नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी अपने अभिनय का एक बिल्कुल नया पहलू दिखाते नज़र आएंगे।

नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुने जाने पर निर्माता निखिल चौधरी ने कहा, नवाज़ असाधारण अभिनय क्षमता वाले कलाकार हैं। वह गैंग्स ऑफ वासेपुर में खतरनाक नज़र आ सकते हैं, तो द लंचबॉक्स में उनका अभिनय दिल को छू लेने वाला और बेहद कोमल हो सकता है। वह उन चुनिंदा भारतीय अभिनेताओं में से हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत पहचान है। उनकी फिल्में कई बार कान फिल्म महोत्सव तक पहुंची हैं और उन्हें इंटरनेशनल एमी के लिए भी नामांकित किया गया है। भारत-फ्रांस-नॉर्वे के सह-निर्माण वाली फिल्म कबूतर को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिहाज़ से यह बेहद अहम है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, नवाज़ दिल्ली को गहराई से जानते हैं। इशान और मेरे लिए यह फिल्म इस शहर के प्रति प्रेम-पत्र की तरह है। हमें ऐसे अभिनेता की ज़रूरत थी, जो दिल्ली को समझ सके, उसे महसूस कर सके और अपने अभिनय में जीवंत कर सके। नवाज़ ये तीनों खूबियां रखते हैं। पिछले कई वर्षों में नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी ने भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट अभिनेताओं में अपनी जगह बनाई है। जटिल, असामान्य और गहराई से मानवीय किरदारों को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता ने उन्हें खास पहचान दिलाई है। उनकी चर्चित फिल्मों में अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर, रितेश बत्रा की द लंचबॉक्स और नंदिता दास की मंटो शामिल हैं।

उड़ता तीर मूवी रिव्यू : आयुष्मान खुराना की कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरपूर फिल्म, हंसते-हंसते हो जाएंगे लोटपोट

कल्पना कीजिए कि पाकिस्तान का एक खुफिया एजेंट भारत में एक हादसे का शिकार हो जाता है और अपनी याददाश्त खो बैठता है। होश में आने पर उसे लगता है कि वह भारत का काउंटर-इंटेलिजेंस ऑफिसर है। बस, इसी गड़बड़ी से शुरू होता है फिल्म 'उड़ता तीर' का मजेदार सफर, जहां गलतफहमियां, उलझनें और हास्यास्पद हालात एक के बाद एक सामने आते हैं। आकाश ए. कौशिक के निर्देशन और लेखन में बनी यह फिल्म अपनी मजेदार कहानी, चुटीले डायलॉग और शानदार कॉमिक टाइमिंग के दम पर दर्शकों को हंसाने की कोशिश करती है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक भी कई मौकों पर कॉमेडी का मजा बढ़ा देता है। 'उड़ता तीर' में जिस तरह की उलझनें दिखाई गई हैं, वे कई बार इतनी अजीब और मजेदार होती हैं कि हंसी अपने आप छूट जाती है। फिल्म के डायलॉग कहानी की जान हैं। कलाकारों की कॉमिक टाइमिंग और एक-दूसरे के साथ उनकी केमिस्ट्री सीन को मजेदार बनाती है। बैकग्राउंड म्यूजिक भी सही समय पर कॉमेडी के साथ मेल मिलाता है और कई सीन का असर बढ़ा देता है।

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने मनोज बाजपेयी के बयान का किया समर्थन - कहा - नकारात्मकता से हटकर सकारात्मक नजरिया अपनाने की जरूरत

बॉलीवुड की बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने हाल ही में अपने सह-कलाकार और वरिष्ठ अभिनेता मनोज बाजपेयी के उस बयान का पूर्ण समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को केवल उसके पेशे के आधार पर आंकना सही नहीं है। दिव्या दत्ता का मानना है कि समाज में हर क्षेत्र और पेशे में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग मौजूद होते हैं, इसलिए कुछ व्यक्तियों की गलतियों के कारण पूरे विभाग या संस्था को कठघरे में खड़ा करना न्यायसंगत नहीं है। उनका यह बयान फिल्म उद्योग और आम जनता के बीच एक नई चर्चा को जन्म दे रहा है।

हाल के दिनों में मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना और दिल्ली-मुंबई में पुलिस प्रशासन की आलोचना के संदर्भ में मनोज बाजपेयी ने निष्पक्ष दृष्टिकोण रखने की बात कही थी। उसी मुद्दे पर आगे बढ़ते हुए दिव्या दत्ता ने कहा कि मनुष्य का स्वभाव अक्सर ऐसा होता है कि वह अच्छी और सकारात्मक बातों को नजरअंदाज कर देता है और नकारात्मक चीजों की ओर बहुत तेजी से आकर्षित होता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक हम किसी व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से नहीं जान लेते, तब तक केवल उसकी वर्दी या उसके पेशे को देखकर उसके चरित्र का फैसला करना अनुचित है।

दिव्या दत्ता ने इस बात पर चिंता जताई कि आजकल लोग सकारात्मक पहलुओं को पीछे छोड़कर नकारात्मक खबरों को जल्दी पकड़ लेते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस हो या कोई अन्य पेशा, उसमें कई ऐसे लोग होते हैं जो अपने कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करते हैं। ऐसे में कुछ काली भेड़ों की वजह से पूरे तंत्र पर सवाल उठाना उन लोगों के मनोबल को तोड़ता है जो दिन-रात निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए हैं। इसलिए समाज को अपना नजरिया बदलने की सख्त जरूरत है।

काम की बात करें तो दिव्या दत्ता और मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म गजब रात में अभिनय करते नजर आईं। इस फिल्म को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था और इसका शुरुआती शीर्षक घूसखोर पंडित रखा गया था, जिसे बाद में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए बदलकर गजब रात कर दिया गया। रितेश शाह के निर्देशन में बनी और प्रसिद्ध निर्माता नीरज

पांडे की कंपनी फ्राइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित यह फिल्म चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।